सुविचार
तुम अपने मिनटों का ध्यान रखो, घंटे अपनी परवाह खुद कर लेंगे।
अर्ल ऑफ चेस्टरफील्ड

दैनिक
रेवांचल टाइम्स
निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

■ वर्ष - 09 ■ अंक - 199 ■ मंडला, गुरूवार 23 अक्टूबर 2025 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-1 रूपये ■ विक्रम संवत् 2082 शक 1935 ■ www.revanchaltimes.com RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877

कोलकाता से श्रीनगर जा रहा था विमान

वाराणसी में इंडिगो पायलट का मेडे कॉल

फ्यूल लीक हो रहा: 4 मिनट में इमरजेंसी लैंडिंग

वाराणसी। वाराणसी एयरपोर्ट पर बुधवार की शाम इंडिगो एयरलाइंस के विमान की आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। विमान का फ्यूल लीक होने लगा। उस वक्त विमान करीब 36000 फीट ऊंचाई पर उड़ रहा था। पायलट ने वाराणसी सीमा में घुसते ही ATC (एयर ट्रैफिक कंट्रोल) को मेडे मैसेज दिया और फिर लैंडिंग की बात कही। पायलट ने अळउ को बताया- विमान में तकनीकी खराबी आ गई और फ्यूल लीक होने के चलते इंजन रेड सिग्नल दे रहा है। इसके बाद आनन- फानन में ATC ने फ्लाइट नंबर 6ए-6961 की जांच की और अगले 4 मिनट में रनवे को क्लियर कराया। इसके बाद पायलट ने विमान को रनवे पर सुरक्षित उतार दिया। इमरजेंसी टीम को भेजकर सभी यात्रियों को विमान से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। विमान में 166 यात्री सवार थे।

किसी अन्य विमान से सभी यात्रियों को भेजा जाएगा

एयरलाइंस की ओर से बताया गया- वाराणसी एयरपोर्ट पर कुछ तकनीकी खराबी के कारण विमान को उतारा गया है। इंडिगो को ओर से यात्रियों को किसी अन्य विमान से श्रीनगर भेजने की व्यवस्था की जा रही है।

कोलकाता से श्रीनगर जा रही थी फ्लाइट

कोलकाता से श्रीनगर जा रही इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संख्या 6ए-6961 को बुधवार शाम फ्यूल लीक होने की सूचना के बाद वाराणसी एयरपोर्ट पर आपात लैंडिंग करानी पड़ी। पायलट ने स्थिति की जानकारी मिलते ही एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) वाराणसी से संपर्क कर लैंडिंग की अनुमति मांगी।

विमान में सवार कुल 166 यात्री पूरी तरह सुरक्षित

अनुमति मिलते ही विमान शाम 4:10 बजे सुरक्षित रूप से रनवे पर उतारा गया। इमरजेंसी लैंडिंग के बाद यात्रियों को विमान से बाहर निकाला गया। सुरक्षा जांच और मरम्मत के लिए विमान को लगभग दो घंटे तक एप्रन (पार्किंग क्षेत्र) पर ही खड़ा रखा गया। विमान में सवार कुल 166 यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। सभी यात्रियों को अराइवल हॉल में बैठाया गया है, जबकि तकनीकी टीम विमान की जांच और मरम्मत में जुटी है।

फ्यूल लीक की जांच शुरू

इंडिगो से दूसरा विमान मंगाया गया है, जिससे सभी को रवाना किया जाएगा। विमान में फ्यूल लीक की जांच शुरू हो गई है। इंडिगो की तकनीकी टीम और एयरपोर्ट अथारिटी के साथ अन्य एजेंसियां जुट गई हैं। यह विमान अब टेस्टिंग और टेक्निकल टीम के ओके के बाद ही उड़ान भरेगा।

मेहुल चोकसी के लिए ऑर्थर रोड जेल में बैरक तैयार

दो सेल में अटैच टॉयलेट समेत टीवी-पंखे होंगे; भारत ने बेल्जियम को भेजी तस्वीरें

मुंबई। पीएनबी से 13,850 करोड़ रुपए के घोटाले के आरोपी और भगोड़े कारोबारी मेहुल चोकसी को भारत लाने की कोशिश की जा रही है। इसके लिए भारत ने बेल्जियम अधिकारियों को मुंबई की आर्थर रोड जेल की आधिकारिक तस्वीरें सौंपी हैं। इनके जरिए बताया गया कि चोकसी को प्रत्यर्पण के बाद जब ऑर्थर रोड जेल में रखा जाएगा तो वहां उसे क्या सुविधा मिलेगी। बुधवार को सुनवाई में बेल्जियम कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि चोकसी पर लगाए गए अपराध भारत और बेल्जियम, दोनों देशों के कानूनों के तहत प्रत्यर्पण योग्य हैं। इसके बाद कहा जा रहा है कि मेहुल चोकसी को डिपोर्ट किया जा सकता है। दरअसल, बेल्जियम के एंटवर्प शहर की एक कोर्ट ने 17 अक्टूबर को भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण को मंजूरी दी थी। कोर्ट ने माना था कि भारतीय एजेंसियों के अनुरोध पर बेल्जियम पुलिस द्वारा की गई चोकसी की गिरफ्तारी वैध थी। तस्वीरों में 46 वर्ग मीटर क्षेत्रफल की बैरक दिखाई गई है। इसमें 2 सेल (कमरे) हैं। प्रत्येक में निजी शौचालय और बुनियादी सुविधाएं मौजूद हैं। ये तस्वीरें भारत की आधिकारिक प्रतिक्रिया के रूप में भेजी गईं, ताकि चोकसी के इस दावे का खंडन किया जा सके कि भारतीय जेलें भीड़भाड़ वाली और असुरक्षित हैं।

12 नंबर बैरक में रहेगा चोकसी

दस्तावेजों के अनुसार, चोकसी को मुंबई की हाई सिक्युरिटी वाली आर्थर रोड जेल की बैरक नंबर 12 में रखा जाएगा। यह वही जेल कैंपस है, जहां 26/11 आतंकी अजमल कसाब को भी रखा गया था। चोकसी को मेडिकल और पेशी के लिए जेल परिसर से बाहर जाने की अनुमति होगी। उनकी हिरासत न्यायिक निगरानी में होगी, ना कि किसी जांच एजेंसी के पास। बेल्जियम पुलिस ने 12 अप्रैल को गिरफ्तार किया था बेल्जियम पुलिस ने भारतीय जांच एजेंसियों के प्रत्यर्पण की अपील पर इसी साल 12 अप्रैल को पंजाब नेशनल बैंक से लोन धोखाधड़ी मामले में आरोपी मेहुल चोकसी को गिरफ्तार किया था। फिलहाल वह जेल में है। चोकसी पर 13,850 करोड़ रुपए का घोटाला करने का आरोप है। मेहुल पत्नी प्रीति चोकसी के साथ रह रहा था, जिन्हें बेल्जियम की नागरिकता मिली है। बेल्जियम के विदेश मंत्रालय ने ही चोकसी की मौजूदगी की जानकारी दी थी। गिरफ्तारी के समय मेहुल चोकसी बेल्जियम से स्विट्जरलैंड भागने की कोशिश कर रहा था।

दिवाली के दूसरे दिन भी दिल्ली की हवा जहरीली

नई दिल्ली। दिवाली के दूसरे दिन बुधवार को भी दिल्ली और आसपास के इलाकों में प्रदूषण की धुंध छाई हुई है। एयर क्वालिटी अब भी जहरीली बनी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) की वेबसाइट के अनुसार, सुबह 7 बजे दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 345 दर्ज किया गया, जो 'गंभीर' कैटेगरी में आता है। राजधानी के कुछ इलाकों में अदक 400 पार भी बना हुआ है। पंजाबी बाग में अदक 433 और वजीरपुर में 401 रिकॉर्ड हुआ है। वहीं, दिल्ली के 38 में से 34 मॉनिटरिंग स्टेशनों पर पॉल्यूशन का लेवल अब भी रेड जोन में है। यानी हवा की क्वालिटी 'बहुत खराब' से 'गंभीर' स्तर पर है। दिवाली के बाद देश में हरियाणा की हवा सबसे प्रदूषित हुई है। उढउइ के अनुसार, सबसे ज्यादा प्रदूषित हवा वाले 10 शहरों में हरियाणा के 8 और राजस्थान का एक शहर है। वहीं दिल्ली 10वें नंबर पर है।

सुप्रीम कोर्ट ने रात 8 से 10 बजे तक पटाखों की इजाजत दी थी- दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 15 अक्टूबर को दिल्ली-ठउफ में 18 से 21 अक्टूबर तक ग्रीन पटाखे बेचने और फोड़ने की इजाजत दी थी। कोर्ट ने कहा था कि 4 दिनों के दौरान, लोग सुबह 6 बजे से 7 बजे तक और रात में 8 बजे से 10 बजे तक, यानी कुल तीन घंटे ही ग्रीन पटाखे फोड़ सकेंगे। हालांकि, दिल्ली-ठउफ में दीवाली पर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की खुलेआम धज्जियां उड़ीं। लोगों ने सुबह से लेकर देर रात तक पटाखे फोड़े। इससे मंगलवार सुबह दिल्ली में घनी धुंध छा गई। रात में भारी मात्रा में पटाखे फोड़े जाने के बाद एयर क्वालिटी रेड जोन में चली गई।

दिल्ली के मंत्री बोले- पंजाब में पराली जलाने से प्रदूषण बढ़ा- दिल्ली की भाजपा सरकार में पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने मंगलवार को पंजाब सरकार को प्रदूषण बढ़ने का जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पंजाब में पराली जलाने के वीडियो दिखाते हुए कहा- पंजाब की अअढ सरकार ने किसानों को खेतों में पराली जलाने के लिए मजबूर किया, जिससे दिल्ली की हवा खराब हुई।

पत्थरों के सीने से निकलते रास्ते...अदब की शाम जबलपुर में

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। कभी-कभी एक शाम सिर्फ शब्दों से नहीं, बल्कि जज्बातों से सजती है। जबलपुर के श्री जानकीरमण महाविद्यालय का सभागार भी बीती शाम कुछ ऐसा ही अहसास दे रहा था ..... जहां हर लफ़्ज किसी दस्तक की तरह था, और हर आवाज में एक उम्मीद की गूंज थी। मंच पर बैठे थे शहर और प्रदेश के वे लोग, जिनकी कलम सिर्फ शेर नहीं लिखती, बल्कि समाज के मन को भी तराशती है। अदब का सिलसिला और तलाशे जौहर की नई राह मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद और संस्कृति विभाग के तत्वावधान में जिला अदब गोशा जबलपुर ने सिलसिला और तलाशे जौहर के तहत जो आयोजन किया ..... वह महज एक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि अदब की परंपरा को नई पीढ़ी से जोड़ने की कोशिश थी। इस सिलसिले की अगुवाई कर रही थीं अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी, जिन्होंने कहा ..... अकादमी साहित्यकारों को सिर्फ मंच नहीं देती, बल्कि उनकी विरासत को ज़िंदा रखने का काम करती है। सत्र का संचालन विनोद नयन ने किया और अध्यक्षता की बाबू अनवर निजामी ने ..... वो शख्स जो शायरी में भी रहबरी ढूंढते हैं और ज़िंदगी में भी। उन्होंने अपने लफ़्ज़ों से जैसे पूरे माहौल को रौशन कर दिया ..... रहबरी मुकद्दर है, ठोकरों से क्या लेना आदमी ही चलते हैं, हौसला जरूरी है, पत्थरों के सीने से रास्ते निकलते हैं। रचनाओं की शाम, जज्बातों का कारवां शहर के जाने-माने और उभरते शायरों ने जब अपने कलाम पेश किए तो सभागार में सन्नाटा नहीं, सुकून था। फारूक अशरफ ने कहा ..... तू तो अपनी जिस अदा में जब मिला अच्छा लगा वहीं अतीक जावेदी की पंक्तियाँ दिल को छू गईं ..... अरमान सारे मोम के मानिंद गल गए और

बड़ों को हुक्म मेरा छोटा भाई देता है
वह घर में सबसे ज्यादा कमाई देता!
अभी है वक्त करो इंतजाम सर्दी का
यहां पर कौन किसे अब रजाई देता है!
मेरे वजूद में शामिल वह इस तरह से हुआ
मैं उसमें और वह मुझ में दिखाई देता है

राशिद राही की आवाज में बेकली थी ..... फिर यहां पर इश्क में इक हादसा होने को है इन रचनाओं के बीच रानू रूही, प्रतिभा पटेल, शिवम सोनी, अजय मिश्रा और अरमान जबलपुरी ने भी अपनी कविताएं और गजलें पेश कर कार्यक्रम को नई ऊँचाई दीं। तलाशे जौहर ..... जहां नई प्रतिभाओं को मिला मंच 19 अक्टूबर को हुए तलाशे जौहर फिलबदीह (त्वरित लेखन) प्रतियोगिता ने जबलपुर की युवा कलमों को परखने का काम किया। जज रहे उस्ताद बाबू अनवर निजामी और ताहिर दमोही। परिणाम में जिन नामों ने अपनी पहचान दर्ज कराई, वे हैं ..... परवेज आलम परवाज हाफिज फजल कादरी शाहनवाज माहिर इनमें सबसे खास नाम रहा परवेज आलम परवाज ..... जो इस वक्त जबलपुर की नई शायरी का एक चमकता सितारा बनकर उभरे हैं। उनकी शायरी में जॉन एलिया की झलक महसूस होती है ..... वही बेचैनी, वही तड़प, वही अल्फाजों की कशिश जो सुनने वाले को भीतर तक छू जाती है। परवेज परवाज की कलम में दर्द भी है और एक नई पीढ़ी की सोच भी ..... शायद यही वजह है कि उनकी हर पंक्ति सुनते हुए लगता है जैसे कोई अधूरी बात मुकम्मल हो रही हो। ये तीनों ही उस्ताद असलम मजीद जबलपुरी की निगरानी में शायरी की बारीकियाँ सीख रहे हैं। उस्ताद असलम मजीद जबलपुरी ने इन युवाओं को सिर्फ अल्फाज नहीं, अदब का अदब सिखाया है ..... और यही इस आयोजन की असली उपलब्धि रही। राशिद राही ..... अदब की परछाई में मेहनत का चेहरा इस पूरे कार्यक्रम के संयोजक राशिद राही, उर्दू अकादमी के जबलपुर जिला समन्वयक, ने जैसे अदब को एक मिशन की तरह जी लिया हो। उन्होंने कार्यक्रम की बुनावट से लेकर उसकी रूह तक में अपनी मेहनत की पहचान छोड़ी। सच तो यह है कि जबलपुर की यह शाम अदब के नाम थी ..... जहां शेर सिर्फ सुने नहीं गए, महसूस किए गए। जहां नई पीढ़ी ने जाना कि तलाशे जौहर महज एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अपने भीतर के शायर को खोजने का मौका है। और जहां एक लफ़्ज ने यह साबित किया ..... हौसला जरूरी है, पत्थरों के सीने से रास्ते निकलते हैं।

मुहम्मद अनवार बाबू
स्थानीय संपादक- रेवांचल टाइम्स

उज्जैन में दौड़ेगी पाड टैक्सी, 1900 करोड़ से बदलेगा शहर का ट्रैफिक सिस्टम

उज्जैन। मुख्यमंत्री मोहन यादव के गृहनगर उज्जैन को आधुनिक और स्मार्ट सिटी के रूप में स्थापित करने की दिशा में सरकार एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग ने शहर में पाड टैक्सी चलाने को 1900 करोड़ रुपये की हाईटेक योजना तैयार कर राज्य सरकार को भेजी है। यह परियोजना उज्जैन को देश के चुनिंदा आधुनिक परिवहन वाले शहरों में शामिल करेगी। योजना के तहत 25.46 किलोमीटर लंबे दो रूट पर कुल 13 स्टेशन प्रस्तावित किए गए हैं। पाड टैक्सी को सिंहस्थ कार्यों से जुड़ी संभाग स्तरीय समिति की अनुशंसा के बाद अब राज्य स्तरीय पर्यवेक्षण समिति की बैठक में स्वीकृति के लिए रखा जाएगा। यह प्रोजेक्ट स्वीकृत होने पर उज्जैन देश का ऐसा पहला धार्मिक और तीर्थ नगर होगा जहां मेट्रो जैसी सुविधा पाड टैक्सी के रूप में उपलब्ध होगी। बताया कि पाड टैक्सी एक स्वचालित, चालक-रहित और इलेक्ट्रिक वाहन प्रणाली है जो ऊंचे स्टील ट्रैक पर चलती है। इसमें ड्राइवर नहीं होता, बल्कि कंप्यूटर और सेंसर के जरिए इसका संचालन होता है। कॉम्पैक्ट कार जैसी दिखने वाली यह टैक्सी एक बार में 4 से 6 यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचा सकती है। ट्रैफिक जाम से मुक्त और पर्यावरण के अनुकूल यह व्यवस्था शहरी परिवहन को आधुनिक और व्यवस्थित बनाने में मददगार साबित होगी। उज्जैन में इसे लागू करने से पर्यटन, धार्मिक आवागमन और शहरी गतिशीलता में बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा।

असम में लव जिहाद पर नकेल कसने की तैयारी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य विधानसभा के आगामी सत्र में लव जिहाद के खिलाफ एक विधेयक पेश करने की योजना बना रही है। हिमंत शर्मा नागांव में ओलंपिक स्तर के एक स्विमिंग पूल का उद्घाटन करने आए थे। यहां उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि सरकार लव जिहाद और बहुविवाह के खिलाफ तथा सत्रों (मठों) की भूमि की सुरक्षा के लिए विधेयक पेश करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि सरकार चाय बागान श्रमिकों को भूमि अधिकार देने अधिनियम लाने की भी योजना बना रही है तथा कैबिनेट में निर्णय होने पर सरकार लोगों को इस बारे में सूचित करेगी। मुख्यमंत्री ने इन प्रस्तावित विधेयकों को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि ये राज्य के सामाजिक और सांस्कृतिक ताने-बाने को सुनिश्चित करने के साथ-साथ समुदायों को सशक्त बनाने की सरकार की पहल का हिस्सा हैं। जुबीन गर्ग मामले में सरकार के अभियान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कुछ लोग जुबीन गर्ग की मौत को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ङ्गकुछ लोग जिन्होंने जीवन भर जुबीन गर्ग का एक भी गाना नहीं सुना, वे रातोंरात इस प्रतिष्ठित गायक के प्रशंसक बन गए हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग चुनाव से पहले राज्य में अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे।ङ्घ उन्होंने कहा कि सरकार ने असम को अस्थिर करने की साजिश को रोकने के लिए श्री जुबीन के असली प्रशंसकों को संगठित करने के लिए बुधवार को नलबाड़ी से ङ्गमोइउ जुबीन, अमिउ जुबीनङ्घ अभियान शुरू किया है।

न्यायाधीशों को डीए देने के आदेश जारी, एमपी सरकार ने अभी नहीं लिया फैसला

जजों को मिलेगा 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता, कर्मचारियों को इंतजार

/भोपाल। मध्यप्रदेश के करीब साढ़े सात लाख कर्मचारियों को जहां महंगाई भत्ते (ऊअ) में बढ़ोतरी का इंतजार है, वहीं राज्य सरकार ने न्यायिक सेवा के अधिकारियों को राहत दी है। सरकार ने उनका केंद्र के समान 3% महंगाई भत्ता बढ़ाने के आदेश जारी कर दिए हैं। इसके साथ ही अब न्यायाधीशों और न्यायिक अधिकारियों को 58% डीए का भुगतान किया जाएगा।

विधि विभाग ने जारी किए आदेश

विधि और विधायी कार्य विभाग ने एमपी हाईकोर्ट जबलपुर के रजिस्ट्रार जनरल को भेजे निर्देश में कहा है कि केंद्र सरकार के कर्मचारियों को वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग ने 1 जुलाई 2025 से 3% बढ़ा महंगाई भत्ता स्वीकृत किया है। इसके तहत मध्यप्रदेश न्यायिक सेवा (वेतन, पेंशन तथा अन्य सेवानिवृत्ति लाभों का पुनरीक्षण) नियम 2022 के नियम-9 के अंतर्गत यह बढ़ोतरी न्यायिक सेवा अधिकारियों पर भी लागू होगी।

अब 55 से बढ़कर 58 प्रतिशत डीए मिलेगा- राज्य शासन ने आदेश जारी कर कहा है कि 1 जुलाई 2025 से न्यायिक सेवा के सदस्यों को मूल वेतन के 55% की जगह अब 58% प्रतिमाह की दर से महंगाई भत्ता दिया जाएगा।

एरियर का भी भुगतान होगा नगद

निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि संशोधित वेतन संरचना में "मूल वेतन" से तात्पर्य सातवें केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार स्वीकृत वेतन से है। इसमें विशेष वेतन या व्यक्तिगत वेतन शामिल नहीं होगा। बढ़े हुए डीए का भुगतान 1 जुलाई 2025 से नगद किया जाएगा, जबकि एरियर के बिल संबंधित अधिकारी के वेतन निकालने वाले कार्यालय से ही तैयार किए जाएंगे।

दीपावली पर उम्मीद थी पर सीएम ने नहीं किया ऐलान

प्रदेश के कर्मचारियों को दीपावली पर्व के पहले केंद्र के समान 55% से बढ़ाकर 58% महंगाई भत्ता दिए जाने के ऐलान की उम्मीद थी, लेकिन सीएम डॉ मोहन यादव ने इस पर अंतिम फैसला नहीं लिया। ऐसे में अब बढ़े हुए महंगाई भत्ते की राशि कब मिलेगी, इसका इंतजार कर्मचारियों को है। यह जरूर हुआ है कि सरकार ने छग सरकार की अनुमति के बाद पेंशनर्स को महंगाई राहत देने का फैसला कैबिनेट ने लिया और इसके आदेश भी जारी हो गए। पेंशनर्स को महंगाई राहत का भुगतान अगले माह मिलने वाली पेंशन में होगा।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स
जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में
समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान
प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ
संपर्क करें
7415685293
9589490996
9340553112
68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

गीले माहौल के चलते नहीं चले पहले से पटाखे

असमय बारिश से धूम-धड़ाम पर असर

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। दीपावली की रात पटाखों की धूमधड़ाम के लिए जानी जाती है, लेकिन इस बार अचानक हुई बारिश के कारण पटाखो की खुशी में कमी देखी गई। ऐन पूजा के समय इंद्रदेव की दे धमाधम ने धूम धड़ाम पर खलल डाला। बात महाकोशल की करें तो कई शहरों में कहीं कम तो कहीं ज्यादा पानी गिरा। इसके पटाखों की खुशी बेरंग हो गई। वैसे महाकोसल के सेंटर के रूप उभरे जबलपुर का कारोबार बिक्री का जैसा रिकार्ड बनाता है, वैसा इस बार नही बना। आखिरी वक्त पर होने वाली खरीदारी पर पानी ने असर डाला। आतिशबाजी के क्षेत्र में भारी संभावनाओं को देखने वाली नजरें भी भी इस बार खामोश रहीं। पटाखा मार्केट के सूत्र कह रहे हैं कि सीजन में ही जबलपुर से करीब 90 करोड़ का कारोबार होता था, लेकिन इस बार मामला 65 करोड़ के आसपास ठहर गया।

पटाखा व्यापारी निराश

मंदे कारोबार से व्यापारी निराश दिखे। वे कहते पाए गए कि भीड़ तो बहुत आई, लेकिन उसमें ग्राहक कम थे। अब उम्मीद है कि जो माल बचा है, वो ग्यारस में काम आयेगा। जबलपुर के साथ ही सिवनी, छिंदबाड़ा, बालाघाट, मंडला, गोटेगांव, नरसिंहपुर, इटारसी, कटनी, सतना, मैहर, दमोह, सागर, बीना तक में धूमधड़ाम में कमी समझ आई। चूंकि यहीं से पटाखे सारे क्षेत्र में जाते हैं, इस कारण यहां चारों तरफ की खबरें आती हँ। शहर में कई थोक पटाखा व्यापारी है जिनके पास शिवाकाशी से हजारों कार्टून पटाखा आता है। प्रदेश की बड़ी पटाखा मंडी महू है।

साल भर का धंधा

व्यापारियों का कहना है कि दीपावली तो सीजन है, लेकिन यहां साल भर पटाखों की मांग रहती है। शादी के सीजन सहित जुलूस, त्यौहार, रैलियों सहित अन्य धार्मिक सामाजिक उत्सवों में आकाशीय पटाखों की भारी डिमांड होती है। पंजाबी दशहरा, रामलीला, जनमाष्टमी, बारात स्वागत आदि में पटाखों की भारी डिमांड रहती है।

खूब बिकी लोकल फुलझड़ी....

बताया जाता है कि इस बार दीपावली में लोकल वाली फुलझडी खूब बिकी। फुलझडी जलने में शानदार थी। उसका रेट भी अन्य कंपनियों की फुलझडी से कम था। ये फुलझड़ी पहले बबलू फुलझड़ी के नाम से बिकती थी। लोकल फटाका फैक्ट्री मंडला रोड द्वारा बनाई फुलझडी की भारी डिमांड थी।

पूरी रैकी कर किसान के घर चोरों का धावा

सोता रहा परिवार, टूट गए आलमारियों के ताले, एफआईआर दर्ज

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। पनागर क्षेत्र के ग्राम डुंगरिया में रहने वाले सम्पन्न किसान के घर की संपूर्ण रैकी करने के बाद चोर, ताला तोड़ते हुए लाखों के जेवर और नगदी लेकर चोरी कर ले गए। सुबह टूटी हुई आलमारी व कमरों में बिखरा पड़ी सामग्री को देखने के बाद किसान के घर में कोहराम मच गया। दीपावली पर्व दौरान चोरी की वारदात होने की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने चोरों की हरसंभव तलाश शुरू कर दी है। पीड़ित किसान रमाशंकर पटेल निवासी ग्राम डुंगरिया ने पनागर पुलिस को बताया कि धनतेरस पर्व पर परिवार के साथ घर के नए-पुराने सोने-चांदी के जेवरातों की पूजा की थी। पूजा के बाद सभी जेवर और करीब 2 लाख 50 रुपए नगद, जिसमें 50 रुपए की रकम बैंक से निकाली गई शामिल थी। वह अलमारी में रख हुए थे। रात करीब 10:30 बजे परिवार के सभी सदस्य घर के बाहर परछी में सो गए थे। सुबह करीब 6 बजे जब बहन संध्या पटेल अलमारी खोलने गई, तो देखा कि अलमारी का दरवाजा खुला था और लॉक टूटा पड़ा है, कमरे में रखी दोनों पलंग पेटियां भी खुली मिलीं और सारा सामान बिखरा हुआ पड़ा था।

अलमारी से इतने जेवर चोरी

किसान के घर से 2 मंगलसूत्र, 2 चेन, 23अंगूठियां, झुमके, रिंग, नथ, चांदी की पायलें, करधन, कड्डोरा और अन्य जेवर शामिल हैं। चोरी गए जेवरों की कुल कीमत लगभग 4 लाख 5 हजार आंकी गई है। पीड़ित ने पुलिस से कहा कि जेवर पुराने उपयोग के हैं और उनके बिल व वजन बाद में दिए जाएंगे।

स्टेशन पर ठहरे यात्रियों से किया सीधा संवाद

पमरे जीएम ने देखीं होल्डिंग एरिया की व्यवस्थाएं

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे जोन की जीएम शोभना बंदोपाध्याय ने दीपावली के दूसरे दिन मंगलवार को जबलपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नम्बर-1 व 6 पर यात्रियों के ठहरने के लिए बनाए गए होल्डिंग एरिया का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक मनीष तिवारी,प्रमुख सुरक्षा आयुक्त राजीव कुमार यादव एवं मण्डल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा उपस्थित रहे। जीएम ने स्टेशन के प्लेटफार्म नम्बर-1 एवं 6 पर होल्डिंग एरिया में ठहरे हुए यात्रियों से सीधे संवाद किया। बातजीत के दौरान उन्होने यात्रियों से स्टेशन परिसर की साफ-सफाई और दी जा रहीं सुविधाओं के बारे में फीडबैक लिया। जीएम ने प्लेटफार्म नम्बर-1 के साइड कॉन्कर्स एरिया में आपातकालीन चिकित्सा स्वास्थ जांच काउंटर का जायजा लिया। साथ ही यात्री प्रतीक्षालय एवं खान-पान के स्टॉल पर आवश्यक सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए सम्बंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए।

स्टेशन पर भीड़ नियंत्रण

बैरिकेडिंग एवं सर्कुलेटिंग एरिया का पुनर्संरचना की जा रही है। निरंतर ट्रेन एवं प्लेटफार्म सम्बंधी घोषणाएं की जा रही हैं। कंट्रोल एवं मॉनिटरिंग सिस्टम के तहत वार रूम को 24 घंटे सक्रिय रखा गया है जो कि जबलपुर,कोटा एवं भोपाल तीनों मंडलों में मंडल स्तर पर स्थापित है।

धीरे-धीरे बढ़ेगा सर्दी का जोर

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। राते ठंडी और दिन भी थोड़े नाजुक, क्योंकि नहीं है अब धूप में कार्तिक की सी बात। मौसम का ये सिलसिला अभी जारी रहने वाला है। इसका कारण मौसम में हो रहा बदला है। दीवाली के दिन जबरदस्त गरम था, लेकिन रात को बारिश होने के बाद मौसम ठंडा हो गया। इसका कारण पूरे मध्य भारत के मौसम का बदलाव है। जिसका असर महाकोशल में हुआ है। नतीजतन जबलपुर में भी न्यूनतम तापमान लगातार सामान्य से नीचे रिकॉर्ड हो रहा है। धूप चमकीली न निकल पाने के कारण अधिकतम तापमान अब भी सामान्य ही है। और ये स्थिति जारी रहने के आसार है। ऐसे में ये कहा जा सकता है कि रातें ठंडी हैं ही, पर दिन भी अभी सुकून नहीं देने वाले। मौसम विशेषज्ञ बता रहे हैं कि दीपावली के तीन दिन बाद ही तेज ठंड शुरू हो जाएगी। मार्निंग में सहमे लोग- अभी लोगों की मार्निंग सहमी सहमी सी है।

जबलपुर पुलिस का व्यापक अभियान : जुए के अड्डों पर ताबड़तोड़ छापे, 96 जुआड़ी गिरफ्तार... 1.97 लाख नकद, वाहन व मोबाइल बरामद

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जिले में जुआ और सट्टे के बढ़ते कारोबार पर नकेल कसने की मंशा से पुलिस अधीक्षक श्री सम्पत उपाध्याय (भा.पु.से.) के निर्देशन में जबलपुर पुलिस ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की। पूरे जिले में एक साथ चलाए गए इस अभियान में विभिन्न थाना क्षेत्रों से 96 जुआड़ियों की गिरफ्तारी, करीब 1 लाख 97 हजार 705 रुपए नगद, 2 कारें, 5 दुपहिया वाहन और 6 मोबाइल फोन जब्त किए गए। यह कार्रवाई जिले के सभी थाना प्रभारियों और पुलिस अधिकारियों की समन्वित मेहनत का परिणाम रही। अभियान का संचालन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री आयुष गुप्ता, एएसपी जोन-2 सुश्री पल्लवी शुक्ला, एएसपी (ग्रामीण) श्री सूर्यकांत शर्मा, एएसपी (यातायात) सुश्री अंजना तिवारी, और एएसपी (अपराध) श्री जितेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में किया गया।

चरगवां थाना: सबसे बड़ी सफलता– थाना प्रभारी अभिषेक प्यासी के नेतृत्व में चरगवां पुलिस ने ग्राम सेमरा में बड़ी कार्रवाई करते हुए 11 जुआड़ियों को रंगे हाथ पकड़ा और 83,400 नकद, साथ ही दो कारें, चार मोटरसाइकिलें और एक स्कूटी जब्त कीं। यह कार्रवाई जिले की सबसे प्रभावी और संगठित छापेमारी मानी जा रही है। टीम में उप निरीक्षक प्रकाश पटेल, मनीष बंसेडिया, प्रधान आरक्षक भगवत पटेल, और अन्य आरक्षकों की भूमिका सराहनीय रही। इसी थाना क्षेत्र में दूसरी कार्रवाई में सुनवारा रोड से भी 2,750 बरामद हुए।

गोरखपुर थाना: सतर्कता और त्वरित कार्रवाई – थाना प्रभारी नितिन कमल के नेतृत्व में रामपुर चौकी क्षेत्र से पुलिस ने चार जुआड़ियों को गिरफ्तार किया और 62,820 नकद जब्त किए। कार्रवाई के दौरान आरोपी भोला सिंह भाटिया, परषोत्तम केवट, संदीप जाट, और कुटु ठाकुर को पकड़ा गया जबकि मुख्य संचालक सावन जाट मौके से फरार हो गया। इस टीम में उप निरीक्षक प्रभाकर सिंह और जमुना मिश्रा सहित पुलिस स्टाफ की

सतर्कता प्रशंसनीय रही।

कोतवाली थाना: शहरी अड्डों पर शिकंजा– थाना प्रभारी मानस द्विवेदी के नेतृत्व में शहर के प्रमुख इलाकों से 13 जुआड़ी पकड़े गए। गुड़हाई रोड और मथुरा विहार कॉलोनी के पास की गई कार्रवाई में 8,400 नकद बरामद हुए। कार्रवाई में उप निरीक्षक अनिल गौर और उनकी टीम की भूमिका उल्लेखनीय रही।

पाटन थाना: ग्रामीण क्षेत्र में सटीक दबिश– थाना प्रभारी गोपेन्द्र सिंह राजपूत के नेतृत्व में पाटन पुलिस ने ग्राम सकरा में छापेमारी कर छह जुआड़ियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 6,400 नकद जब्त किए गए। ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह की कार्रवाई स्थानीय नागरिकों में भरोसा जगाने वाली रही।

गोहलपुर थाना: निचले तबके के जाल पर भी नकेल – थाना प्रभारी रीतेश पांडे की टीम ने बरियातले क्षेत्र में पीपल के पेड़ के नीचे जुआ खेलते छह लोगों को पकड़ा। पुलिस ने मौके से 7,965 नकद बरामद किए। टीम में प्रधान आरक्षक प्रमोद राय और आरक्षक अमित पटेल की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही।

भेड़ाघाट थाना: पर्यटन क्षेत्र में सघन कार्रवाई– थाना प्रभारी कमलेश चौरिया की अगुवाई में भेड़ाघाट पुलिस ने घुघरा फॉल क्षेत्र में दबिश देकर 10 जुआड़ियों को पकड़ा। यह क्षेत्र पर्यटक स्थल होने के कारण यहाँ की कार्रवाई विशेष महत्त्व रखती है। पुलिस ने मौके से 9,225 नकद बरामद किए।

अन्य थाना क्षेत्र: सामूहिक अनुशासन और दक्षता का प्रदर्शन– गोराबाजार, ग्वारीघाट, मझगवां, बरेला, पनागर और अधारताल थाना क्षेत्रों की पुलिस ने भी एक साथ दबिश देकर जुआड़ियों को गिरफ्तार किया और कुल मिलाकर 8,765 नकद जब्त किए। सभी थाना प्रभारियों ने अनुशासन, गोपनीयता और तत्परता के साथ अभियान में भाग लिया।

हनुमानताल थाना: कमजोर कड़ी बना जुआरियों का गढ़ हालांकि जिलेभर में पुलिस का यह अभियान सराहनीय और प्रेरक रहा, लेकिन हनुमानताल थाना क्षेत्र में हुई कार्रवाई तुलनात्मक रूप से सबसे कमजोर रही। यह क्षेत्र लंबे समय से जुआ और सट्टे का हॉटस्पॉट माना जाता है, फिर भी यहाँ से केवल 2,950 की मामूली जब्ती हुई। थाना प्रभारी धीरज राज के नेतृत्व में दबिश दी गई, परन्तु यह कार्रवाई न तो ठोस परिणाम दे सकी, न ही बड़े संचालकों तक पहुँच पाई। स्थानीय सूत्र बताते हैं कि हनुमानताल क्षेत्र में संगठित जुआ गिरोहों पर अब भी ठोस कार्यवाही की आवश्यकता है, वरना यह इलाका पुलिस की साख पर सवाल उठाता रहेगा। जबलपुर पुलिस का यह समन्वित अभियान संगठित अपराध के विरुद्ध दृढ़ इच्छाशक्ति का उदाहरण है। अधिकांश थाना क्षेत्रों ने जिस तत्परता और पारदर्शिता के साथ कार्रवाई की, वह पुलिस की साख को मजबूत करती है। हालांकि, हनुमानताल जैसे क्षेत्रों में अभी और सक्रियता, खुफिया नेटवर्क और सतत निगरानी की जरूरत बनी हुई है। यदि इन क्षेत्रों में भी बाकी थानों जैसी दृढ़ कार्रवाई हो, तो निश्चित ही जबलपुर जिले से जुआ-सट्टे का यह नेटवर्क पूरी तरह समाप्त किया जा सकता है। सके?

मोहम्मद अकरम अंसारी

देशभक्ति-जन सेवा के लिए पुलिस ने किए प्राण न्यौछावरः आईजी

पुलिस शहीद स्मृति दिवस पर शहीदों को सलामी, स्मारक पर पुष्पचक्रअर्पित की दी श्रद्धांजलि

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। ...सरहद पर शहीद होने वाले जवानों के साथ-साथ पुलिस की वर्दी पहनकर 'देश भक्ति-जन सेवा' के लिए मुस्तैदी से डयूटी एवं अपराधियों से लड़ते हुए जान न्यौछावर करने वाले शहीदों की बदौलत ही आज समाज खुली हवा में सांस ले पा रहा है। आज सुबह पुलिस शहीदी दिवस पर 6वीं प्रशिक्षण वाहिनी में पुलिस महानिरीक्षक जबलपुर जोन प्रमोद वर्मा ने यह बात कही है। कार्यक्रम में शहीद पुलिस जवानों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए पुष्पाजंली अर्पित की गई। प्रदेश पुलिस के 11 अधिकारी/ कर्मचारी ने राष्ट्र के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। मध्यप्रदेश के 11 पुलिसकर्मियों सहित देश के शहीद पुलिसकर्मियों की याद में उनके नाम का वाचन किया गया। 'पुलिस स्मृति दिवस' पर शोक परेड का आयोजन किया गया, जिसमें विशेष सशस्त्र बल, मध्यप्रदेश रेलवे पुलिस बल, जिला पुलिस बल एवं होमगार्ड के एक-एक प्लाटून शामिल हुए। इस अवसर पर डीआईजी अतुल सिंह, एसपी सम्पत उपाध्याय, जोनल पुलिस अधीक्षक आशीष खरे, एएसपी जितेन्द्र सिंह, एएसपी सूर्यकांत शर्मा सहित सीएसपी/ डीएसपी एवं 6वीं बटालियन के अन्य अधिकारी/ कर्मचारी तथा शहीदों के परिजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईजी प्रमोद वर्मा ने ड्यूटी दौरान शहीद हुए जवानों के अदम्य साहस की प्रशंसा करते हुए श्रद्धाजंलि अर्पित कर कहा कि पुलिस शहीदी दिवस इसलिए मनाया जाता है कि 21 अक्टूबर 1959 में लद्दाख क्षेत्र में पुलिस की एक चौकी 'हॉट स्पिंग' की टुकड़ी पर चीन के सैनिकों ने हमला कर दिया था। इस हमले में 'हॉट स्प्रिंग' की टुकड़ी शहीद हो गई थी। शहीदों हुए जवानों का अंतिम संस्कार लद्‌दाख के हॉट स्प्रिंग में किया गया था, उस दिन के बाद से ही हर वर्ष 21 अक्टूबर पुलिस शहीदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। हम वीर पुलिस कर्मियों का स्मरण करते हैं और उन्हें श्रद्धाभाव से श्रद्धांजली अर्पित करतें हैं, जिन्होने कर्तव्य पालन तथा देश की अखंडता व एकता की रक्षा करने में अपने प्राणों की आहुति दी है। अधिकारियों ने शहीद स्मारक में पुष्प चक्र अर्पित कर वीर शहीदों को श्रद्धांजली दी है। मुख्य अतिथि प्रमोद वर्मा ने शहीदों के परिजनों को शॉलश्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया।

प्रदेश के 11 पुलिस के जवान हुए शहीद

1 सितम्बर 2024 से 31 अगस्त 2025 तक पुलिस एवं पैरा मेलिट्री फोर्स के निरीक्षक स्व. संजय पाठक, निरीक्षक स्व. रमेश कुमार धुर्वे, सहायक उप निरीक्षक स्व. रामचरण गौतम, सहायक उप निरीक्षक स्व. महेश कुमार कोरी, प्रधान आरक्षक स्व. संतोष कुशवाह, प्रधान आरक्षक स्व. प्रिंस गर्ग, प्रधान आरक्षक स्व. अभिषेक शिंदे, प्रधान आरक्षक स्व. गोविंद पटेल, आरक्षक स्व. अनुज सिंह, आरक्षक स्व. सुंदर सिंह बघेल एवं आरक्षक स्व. अनिल यादव ने अपने प्राणों की आहूति देते हुए देश प्रेम, त्याग और बलिदान की सर्वोच्च परंपरा स्थापित की है।

म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के आगामी चुनाव वर्ष 2026 में सदस्य पद हेतु आपकी
प्रथम वरीयता मत का आकांक्षी
गोपाल सिंह बघेल (अधिवक्ता)
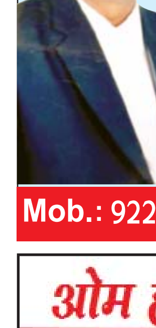
म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
पता - हॉल नं 3 सीट नं 7 विधि भवन, म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
कार्यालय-निवास
कृष्णा कॉलोनी के पास राज परिसर सुहागी, जबलपुर (म.प्र.)
Mob.: 9229653295, 8989141208, 7987512717

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स,वार्ड वॉय,आया बाई,फिजियोथैरेपी और दवाईयॉ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो.जितेन्द्र पटैल CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556,9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल मोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
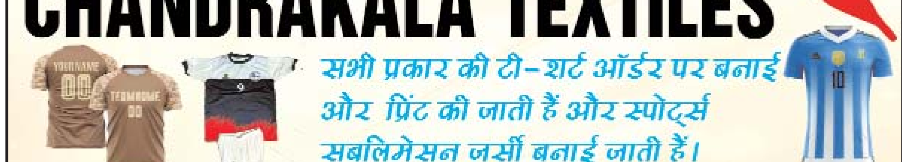
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

जमीनी विवाद में दुकान में घुसकर दो भाइयों की हत्या परिजनों व ग्रामीणों ने नेशनल हाइवे पर लगाया चक्का जाम

भारी पुलिस बल तैनात, चौकी प्रभारी को एसपी ने किया लाइन अटैच

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के केशवाही थाना क्षेत्र के बलबहरा गांव में मंगलवार रात जमीनी विवाद को लेकर दो सगे भाइयों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। जबकि एक अन्य युवक गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है, बताया जा रहा है कि यह हत्या पुरानी रंजिश और जमीन के विवाद के कारण की गई है। घटना के बाद से पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार, मृतक भाई राकेश उर्फ सोनू तिवारी और राहुल तिवारी अपनी ऑटो पार्ट्स की दुकान पर दीप जलाने पहुंचे थे। तभी गांव के करीब एक दर्जन आरोपी पीछे से दुकान में घुस आए और धारदार हथियारों व लाठी-डंडों से हमला कर दोनों को बुरी तरह पीट दिया। गंभीर रूप से घायल दोनों भाइयों को स्थानीय लोग अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने राकेश को मृत घोषित कर दिया, जबकि राहुल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बुधवार को बुढार हाईवे पर दो भाइयों की हत्या के विरोध में परिजनों और ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे-43 पर चक्का जाम कर दिया है। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि मौके पर जिलाधिकारी (डीएम) को बुलाया जाए, ताकि वे सीधे उनसे बात कर सकें। विरोध के चलते हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं। परिजनों का आरोप है कि पुलिस आरोपियों से मिली हुई है, इसलिए वे किसी पुलिस अधिकारी से बात नहीं करेंगे। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। सोहागपुर थाना प्रभारी भूपेंद्र मणि पांडे और कोतवाली थाना प्रभारी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी स्थल पर मौजूद हैं। बताया जा रहा है कि नेशनल हाईवे-43 पिछले आधे घंटे से जाम है, जिससे यातायात पूरी तरह ठप्प हो गया है। घटना के बाद मुख्य आरोपी अनुराग शर्मा ने अपने साथियों सहित बुढार थाने में सरेंडर कर दिया। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, तिवारी और शर्मा परिवार के बीच जमीन को लेकर वर्ष 2021 से विवाद चल रहा था। मंगलवार को दोनों भाई दुकान पर पहुंचे थे, तभी अनुराग शर्मा, धनेश शर्मा, नयन पाठक, नीलेश कुशवाहा समेत अन्य आरोपी हथियार लेकर वहां पहुंचे और हमला कर दिया। घायल राहुल तिवारी ने मरने से पहले मोबाइल में एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें उसने आरोपियों के नाम लेते हुए कहा, ह्लयह मेरा आखिरी बयान है, इसे ही मेरा बयान माना जाए।ह्व घटना के बाद पुलिस अधीक्षक ने गंभीरता दिखाते हुए केशवाही चौकी प्रभारी आशीष झारिया को लाइन हाजिर कर दिया है। घटनास्थल पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है और फॉरेंसिक टीम जांच में जुटी है। मेडिकल कॉलेज में भर्ती मरीजों के इलाज में तैनात एक नर्सिंग ऑफिसर इस चक्काजाम में एक घंटे तक फंसी रही। आखिरकार दो बजे से उसकी ड्यूटी शुरू हुई, लेकिन वह 3:00 बजे तक अपने कार्य स्थल तक नहीं पहुंच पाई। इसके बाद उसने पुलिस की 112 से मदद मांगी। जिस पर तैनात पुलिसकर्मियों ने उसे डाइवर्ट मार्ग से उसके कार्य स्थल तक पहुंचाया।

सड़क पार कर रहा युवक, ट्रैक्टर की चपेट में आने से हुई मौत

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। जिले के थाना प्रभारी रामनगर ने बताया कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत सेमरा के पास बुधवार दोपहर लगभग 2 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें सोनू सिंह पाल 24 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक सड़क पार कर रहा था, तभी तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुमित कौशिक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। हादसे से गुस्साए स्थानीय लोगों ने कुछ समय के लिए सड़क जाम कर दिया। पुलिस ने समझाइश देकर जाम समाप्त कराया और शव को बिजुरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। बताया जा रहा है कि हाल ही में इसी स्थान पर सेमरा निवासी विष्णु दत्त द्विवेदी की भी ट्रेलर वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई थी। लगातार हो रहे हादसों से ग्रामीणों में आक्रोश है और लोगों ने प्रशासन से इस स्थान पर गति अवरोधक या संकेतक लगाने की मांग की है। पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खेतों में नरवाई जलाने पर रोक, आदेश जारी, किया उल्लंघन तो होगी कार्यवाही

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। उप संचालक कृषि ने बताया कि फसलों की कटाई के बाद नरवाई जलाए जाने की घटनाओं को रोकने के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिए गए है। यानी खेतों में नरवाई जलाई जाती है तो कार्यवाही होगी। नरवाई में आग लगाने की घटनाओं को रोकने के लिए कलेक्टईर एवं जिला दंडाधिकारी द्वारा धारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। आदेश का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत का दंडनीय होगा। खरीफ फसलों की कटाई के बाद खेतों में बचे हुए अवशेषों के प्रबंधन एवं रबी फसलों गेहूं, चना, सरसों की सीधी बोनी सुपर सीडर, हैप्पी सीडर से बोनी की जा सकती है। इसके जरिए किसानों का समय के साथ पैसा भी बचता है, इसके लिए किसान समय एवं लागत की बचत कर अच्छा उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही जीरोटिल सीडड्रिल, रोटावेटर, रीपर कम्बाईन, बेलर, मल्चर आदि यंत्रों का उपयोग नरवाई प्रबर्धन में किया जा सकता है, धान फसल की कटाई के बाद सुपरसीडर द्वारा एक बार में ही फसल अवशेष को मिट्टी में मिलाने तथा जुताई बुआई का कार्य लिया जा सकता है। धान की फसल कटाई हार्वेस्टर से करते समय एक्स्ट्रा रीपर लगाया जाना अति आवश्यक है, यदि नहीं लगाया जाता तो दण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी। इसके लिए कंबाईन हार्वेस्टर मालिक जवाबदार होंगे।

गोवर्धन पूजा प्राचीन संस्कृति से जुड़ाव, यह परम्परा धार्मिक व सदभाव को देती है बढ़ावा, गौमाता का जीवन में बड़ा महत्व

गोवर्धन पूजा की परम्परा प्राचीन संस्कृति और सद्भाव से जुड़ी है

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। गोवर्धन पूजा की परम्परा प्राचीन संस्कृति से जुड़ी हुई है। यह परम्परा धार्मिक और सदभाव को बढ़ावा देती है। गौमाता का जीवन में बड़ा महत्व है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा तिथियों और त्यौहारों को सरकार से जोड़कर भारतीय संस्कृति की परम्परा को विधि-विधान से मनाने का कार्य किया जा रहा है। यही हमारी संस्कृति है। उक्ताशय के विचार मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने जिले के जनपद पंचायत कोतमा के ग्राम पंचायत सारंगगढ़ स्थित राधे कृष्ण गौशाला में राज्य शासन के दिशानिदेर्शानुसार आयोजित गोवर्धन पूजा के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने कोतमा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत सारंगगढ के राधे कृष्ण गौशाला में विधि-विधान से गौवर्धन पूजा की तथा गौशाला का अवलोकन भी किया। मंत्री दिलीप जायसवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में त्यौहारों का उद्देश्य सद्भावों को बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा भारतीय संस्कृति के परम्परा को बढ़ावा देने का प्रयास सराहनीय है। सरकार विरासत से विकास की ओर और पुरातन संस्कृति को आगे बढ़ने का कार्य कर रही है। उन्होंने स्वसहायता समूह को गौशालाओं के बेहतर संचालन के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि गौ वंश के लिए चारागाह के विकास तथा गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सार्थक प्रयास सुनिश्चित किए जांए। जिससे गौशालाओं के संचालन कताओं को भी लाभ प्राप्त हो। मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि मध्य प्रदेश की सरकार विरासत से विकास की ओर व सनातन संस्कृति को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है। उन्होंने अलग-अलग महापुरुषों के क्षेत्र में कैबिनेट बैठक के आयोजन तथा सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के शासन के प्रयासों की सराहना करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आभार जताया। उन्होंने क्षेत्रीय विकास के लिए किए गए कार्यों तथा जिला प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री जी द्वारा की गई घोषणा के विकास कार्यों की स्वीकृति के संबंध में जानकारी दी उन्होंने कहा कि सीतामढ़ी में जलाशय के निर्माण होने से सिंचित रकवा बढ़ेगा उन्होंने कोतमा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत स्वीकृत विकास कार्यों के संबंध में ग्रामीणों को जानकारी उपलब्ध दी। कार्यक्रम के आयोजन के उद्देश्यों के संबंध में पशु पालन विभाग के उपसंचालक डॉ बी बी चौधरी ने जानकारी दी। इस अवसर पर राज्य शासन के दिशानिदेर्शानुसार जिले के सभी संचालित गौशालाओं में गौवर्धन पूजा का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। गौशालाओ में आयोजित कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधि नागरिक तथा गौ प्रेमी उपस्थित रहे।

पुलिस ने 6 अलग-अलग स्थानों में मारा छापा, 20 जुआड़ी गिरफ्तार, 33 हजार नगद जप्त

कोतमा पुलिस की बड़ी कार्यवाही

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती-उर-रहमान के निर्देशन मे दीपावली पर्व के दौरान जुआरियों पर निगरानी रख कार्यवाही के निर्देश दिए गए थे। जिसके अनुपालन में कोतमा पुलिस ने आधा दर्जन जगहों में जुआ के फड़ में छापा मार कार्यवाही करते हुए 20 जुआरियों से नगदी 33490 रुपए एवं ताश के 52 पत्तों के साथ जुआ खेलते पकड़ा है। पुलिस टीम ने जुआबाजों के खिलाफ दिपावली पर्व पर 6 अलग अलग कार्यवाही करते हुए अपराध पंजीबद्ध किया गया है। पैरीचुआ में तालाब के किनारे तास पत्तो से हार जीत का दांव लगा कर जुआं खेल रहे है 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया जिनमें अविनाश सोनी पिता दीपकुमार सोनी उम्र 25 वर्ष निवासी वार्ड नं0 01 दफाई टोला,दुर्गेश कुमार वर्मा पिता रमेश कुमार वर्मा उम्र 25 वर्ष, बाबूलाल पनिका पिता भीमसेन पनिका उम्र 39 वर्ष दोनों निवासी वार्ड नं0 02 पैरीचुआ, सुजीत गुप्ता पिता विनोद गुप्ता उम्र 30 वर्ष निवासी वार्ड 04 दर्री टोला कोतमा, मनजीत गिरी पिता नवल गिरी उम्र 30 वर्ष दोनों निवासी वार्ड 04 दर्री टोला कोतमा,

राहुल पनिका पिता धनीराम पनिका उम्र 25 वर्ष निवासी पैरीचुआ के कब्जे से नगदी 17910 रुपए एवं 52 तास के पत्ते जप्त किया गया। इसी प्रकार केशवाही रोड़ कमलेश केवट के खेत के पास दबिस देकर अमीर खान पिता स्व. सब्बीर खान उम्र 32 वर्ष, उमेश केवट पिता स्व. दीनदयाल केवट उम्र 30 वर्ष दोनों निवासी वार्ड नं0 05 बस्ती कोतमा एवं कमलेश मांझी पिता लालमन केवट उम्र 35 वर्ष निवासी वार्ड 06 को जुआ खेलते पकड़ा गया। अमित यादव पिता दुलारे लाल यादव उम्र 24 वर्ष निवासी वार्ड नं0 06 कोतमा, लखन शुक्ला पिता स्व. अवधेश शुक्ला उम्र 40 वर्ष निवासी वार्ड 6 बस्ती कोतमा पकड़ा गया। केशवाही रोड किनारे दांव लगा कर जुआं खेल रहे आरोपी जुगेश गुप्ता पिता स्व. नारायण गुप्ता उम्र 60 वर्ष ,अजय प्रजापति पिता हीरालाल प्रजापति उम्र 22 वर्ष , आशीष वंशकार पिता नत्थूलाल प्रजापति उम्र 32 वर्ष दोनों निवासी वार्ड नं 04 कोतमा के कब्जे से नगदी एवं तास के 52 पत्तों को जप्त किया गया। इसी प्रकार मगरदहा टोला वार्ड न. 08 रोड किनारे स्ट्रीट लाइट के नीचे कुछ व्यक्ति तास पत्तो से रूपयों पैसो से हार जीत का दांव लगाने पर घेराबंदी कर रामकुमार सिंह पिता महकम सिंह उम्र 55 वर्ष, कुवेर सिंह गोंड पिता सूखलाल सिंह गोड उम्र 28 वर्ष निवासी दोनों निवासी वार्ड न. 08 मगरदहा टोला कोतमा के खिलाफ केस दर्ज किया गया। पेरीचुआ क्रेशर के पास जुआं खेलने की सूचना पर धर्मेन्द्र केवट पिता बाबुलाल केवट उम्र 36 साल , गुलाब गुप्ता पिता रामसुहावन गुप्ता उम्र 36 वर्ष,दुर्गेश कुमार वर्मा पिता रमेश कुमार वर्मा उम्र 25 वर्ष, बाबुलाल पनिका पिता भीमसेन पनिका उम्र 39 वर्ष सभी निवासी ग्राम पेरीचुआ के कब्जे से 9730 रुपए, 52 तास के पत्ते जप्त किया गया। सभी आरोपियों के विरुद्ध धारा 13 जुआ एक्ट में केस दर्ज किया गया।

फरार आपराधी अभिषेक उर्फ भोलु सोनी गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। जिले में गणेश विसर्जन के दिन कोतमा के आदतन अपराधी अभिषेक उर्फ भोलु सोनी ने फरियादी मनीष सोनी से शराब पीने के लिए अबैध पैसों कि मांग की। फरियादी के मना करने पर अपराधी अभिषेक उर्फ भोलु सोनी ने फरियादी के साथ मारपीट कर गंभीर चोट पंहुचाई थी।फरियादी कि रिपोर्ट पर थाना कोतमा मे आरोपी अभिषेक उर्फ भोलू के खिलाफ आपराध कायम कर विवेचना मे लिया जाकर आरोपी कि पता तलास की जा रही थी। आरोपी घटना कारित कर लगातार फरार चल रहा था जिसे कोतमा थाना पुलिस टीम द्वारा को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया है।आदतन अपराधी अभिषेक उर्फ भोलु सोनी पर थाना कोतमा मे लुट, मारपीट के अलग अलग धाराओं कई आपराध पंजीबध्द है। आरोपी को गुंडा लिस्ट में लाने की कार्यवाही पृथक से की जा रही है।

अनुभवहीन सिविल विभाग के चलते स्वच्छता ही सेवा 5.0ह्व अभियान हुआ पूरी तरह असफल

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। भारत सरकार के उपक्रम कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) द्वारा देशभर में चलाया गया स्वच्छता ही सेवा विशेष अभियान 5.0 अपने उद्देश्यों को लेकर चर्चा में रहा। इस अभियान की शुरूआत एसईसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक हरीश दुहान ने मुख्यालय में स्वच्छता शपथ दिलवाकर की थी।

अभियान का उद्देश्य 15 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक कोयला मंत्रालय, भारत सरकार के निदेर्शानुसार सार्वजनिक स्थानों, नदियों, और कॉलोनी परिसरों में विशेष सफाई अभियान चलाना था। मुख्यालय और संचालन क्षेत्रों में सफाई मित्रों का सम्मान, जनजागरूकता कार्यक्रम, तथा स्वच्छता रैलियां आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए थे। जमुना कोतमा क्षेत्र में इस अभियान की वास्तविकता कुछ और ही दिखाई दी। क्षेत्र के सिविल विभाग में अनुभवहीन एस.ओ. सिविल की तैनाती ने पूरे अभियान की तस्वीर बदल दी। संबंधित अधिकारी का कोल इंडिया में कुल कार्यकाल मात्र चार वर्ष का रहा है, बावजूद इसके उन्हें एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी वाले पद पर नियुक्त कर दिया गया। इस निर्णय के परिणामस्वरूप क्षेत्र में ठेकेदारों की मनमानी, घटिया निर्माण कार्य और नियमों की खुली अनदेखी सामने आये। स्वच्छता ही सेवा के तहत न तो कोई बड़ा कार्यक्रम आयोजित हुआ और न ही सार्वजनिक स्थानों पर सफाई व्यवस्था में कोई सुधार देखा गया।कॉलोनियों में जगह-जगह घास-फूस, कीचड़ और बरसात का जमा कचरा लोगों की परेशानी बढ़ा रहा है। कर्मचारी अपने घरों के आसपास सफाई तक सीमित रहे, लेकिन सड़कें और नालियां गंदगी से अटी पड़ी हैं।दीपावली जैसे पर्व, जो स्वच्छता का प्रतीक माना जाता है, उसके अवसर पर भी कॉलोनी की हालत बदतर। गोविंदा फिल्टर प्लांट के पास नदी किनारे बना मोटर पंप प्लेटफॉर्म निर्माण के मात्र 10 दिनों के भीतर धंस गया, जिससे यह साफ हो गया कि निर्माण कार्यों में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया।

संपादकीय

नक्सलियों का नया सवेरा

पुलिस बैरक में यह उनकी पहली रात थी। वे पूरी रात आंख नहीं मूंद पाए अथवा नींद ही नहीं आई। वे खुले जंगल में, नीले आसमान को निहारते हुए, सोने के अभ्यस्त थे। उनकी समझ, संवेदनाएं और तंत्रिकाएं इतनी सचेत और तीव्र थीं कि वे हर आहट पर चौंक उठते थे और वहीं मोर्चा बांध लेते थे। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर पुलिस ट्रेनिंग सेंटर के बैरकों में उन 210 नक्सलवादियों को एक साथ रखा गया है, जिन्होंने इसी सप्ताह आत्मसमर्पण किया था। शनिवार की सुबह उनके लिए बिलकुल अलग एहसास की थी। उन्हें अखबार पढ? को दिए गए। नक्सलियों ने टीवी भी देखा। उन्होंने अफसरों से राशन आदि मांगा, ताकि वे अपना साधारण-सा भोजन बना सकें और इस तरह किसी काम में व्यस्त रह सकें। नक्सली माओवादियों ने सरकार के सामने हथियार डाल दिए हैं। अंततः उन्होंने मुख्यधारा में लौटना तय किया है। सरकार ने उनकी सहायता करने का आश्वासन भी दिया है। शायद कोई योजना बनाकर नक्सलियों का पुनर्वास तय किया जाए! वे मोर्चे पर तैनात, हथियारबंद, मरने-मारने को तैयार नहीं हैं, लेकिन वे फिलहाल एक साथ रहना चाहते हैं। हमें लगता है कि यह संभव नहीं है। सरकार प्रत्येक नक्सली की योग्यता, रुचि, क्षमता के मुताबिक ही मुख्यधारा में शामिल करेगी। नक्सलियों पर जो आपराधिक मामले दर्ज हैं और अदालत के विचाराधीन हैं, पहले वे निष्कर्ष तक पहुंचेंगे और सरकार उन्हें सामूहिक माफी कैसे दे सकती है, उस कानूनी प्रक्रिया से गुज?ना लाजिमी है, लेकिन दो निष्कर्ष देश के सामने हैं-लाल आतंकवाद अस्तित्वहीन होने की ओर है। दूसरा, नक्सली भी मुख्यधारा में लौट कर एक नये सवेरे का एहसास कर सकेंगे। वे जन-प्रतिनिधि बन सकते हैं और सरकारी कर्मचारी भी बन सकेंगे। इस लिहाज से मोदी सरकार का यह मिशन बेहद महत्त्वपूर्ण और मानवाधिकार वाला है। सरकार मार्च, 2026 तक अपना लक्ष्य हासिल कर सकती है। नक्सली देश के 11 जिलों तक सिमट गए हैं। उनमें से 3 जिले ही ऐसे हैं, जहां नक्सली पूरी तरह सक्रिय हैं। उन जिलों की लालबंदी तोड?ा बहुत मुश्किल नहीं है, क्योंकि सुरक्षा बलों को नक्सलियों की मोचेर्बंदी का पूरा ज्ञान हो चुका है। इससे यह भी साबित हो गया है कि नक्सलवाद को खत्म करना असंभव नहीं था, जैसा कि पहले की कांग्रेस नेतृत्व की यूपी, सरकार नाटक करती रही। कभी सोचा गया कि नक्सलियों के खिलाफ सेना को उतार दिया जाए। कभी कोबरा कमांडो की रणनीति बनाई गई, तो कभी किसी और रणनीति पर पैसा बहाया गया, लेकिन मौजूदा सरकार ने बहुत ही सीमित समय के दौरान देश को दिखा दिया कि नक्सली माओवाद अभेद्य और अजेय नहीं था। जिन शीर्ष नक्सलियों पर इनाम घोषित किए गए थे, उन्हें भी या तो मार दिया गया अथवा उन्होंने भी आत्मसमर्पण कर दिया। दरअसल देश में नक्सली माओवाद जिस सोच और दृष्टि के साथ शुरू किया गया था, उसमें न तो भूमि-सुधार हो सका और न ही गरीब किसानों, आदिवासियों, ग्रामीणों में जमीन बांट कर, एक हद तक, जमींदार बनाया जा सका। कुछ अपवाद हो सकते हैं, जो नक्सलवाद की शुरूआत में अर्जित किए गए हों! ग्रामीण अंचल नक्सलियों की आड़ और कवच बनकर रह गए। उनकी मजबूरी थी, नहीं तो नक्सली मार देते थे। नक्सलियों ने उनका व्यापक दोहन किया, लेकिन गद्दर जैसे लोक कलाकार कुछ और ही गाते रहे। एक अलग तस्वीर पेश करते रहे। छत्तीसगढ़ में अबुझमाड़ और उत्तरी बस्तर ऐसे नक्सली आतंकवाद के अड्डे थे, जहां आम आदमी का जाना तो असंभव था, लेकिन दशकों, सालों से सरकारी अफसर भी वहां नहीं जा सकते थे। आज वे लगभग नक्सल-मुक्त हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने इसे देश के रेड कॉरिडोर से नक्सली प्रभाव को खत्म करने की लड़ाई में एक ऐतिहासिक दिन बताया है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक सार्वजनिक मंच से कहा है कि बीते 75 घंटे में 303 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, यह कोई सामान्य घटना नहीं है। प्रधानमंत्री ने नक्सली माओवाद पर अपनी पीड़ा और सरोकार भी व्यक्त किया है कि उन भटके हुए नौजवानों ने देश का विकास अवरुद्ध किया है। नक्सलियों ने स्कूल, अस्पताल तक नहीं बनने दिए। वे सडक-निर्माण के खिलाफ रहे। फिर भी एक शहरी नक्सली जमात ने उन आतंकियों को समर्थन दिया और उनकी पैरोकारी करती रही।

शिक्षा व राजनीति का लिव इन रिलेशन

शिक्षा और राजनीति के बीच एक संतुलन बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है। शिक्षा में राजनीति का बढ़ता दखल एक बहस का विषय है। कुछ लोग इसे सकारात्मक मानते हैं, जबकि कुछ इसे नकारात्मक मानते हैं। कुछ लोग मानते हैं कि राजनीति का हस्तक्षेप शिक्षा के प्रबंधन में सहायक हो सकता है। उचित राजनीतिक नेतृत्व के माध्यम से, सरकार शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार कर सकती है, जैसे कि नई शिक्षा नीति 2020 इत्यादि। हालांकि, कुछ लोग मानते हैं कि राजनीति का हस्तक्षेप उच्च शिक्षा संस्थानों की स्वायत्तता को खतरे में डालता है स्कूल शिक्षा हो या फिर उच्च शिक्षा, राजनीति का इन पवित्र क्षेत्रों में दखल बिल्कुल भी रुका नहीं है। बड़ी शैक्षणिक नियुक्तियों का आधार चुने जाने वाले व्यक्तियों की राजनीतिक संबद्धता और राजनीतिक फायदा ही है। इससे शिक्षा और शैक्षणिक प्रशासन की गुणवत्ता पर कोई अच्छा असर नहीं पड़ रहा है। और तो और, इन बिंदुओं पर आवाज उठाने वाले को चारों खाने चित होना पड़ता है। आइए शिक्षा और राजनीति के लिव इन रिश्ते को खंगालें। शिक्षा और राजनीति का गहरा संबंध होता है। शिक्षा और राजनीति, दोनों ही समाज के महत्वपूर्ण पहलू हैं। शिक्षा व्यक्ति को ज्ञान और कौशल प्रदान करती है, जबकि राजनीति, समाज का नेतृत्व करती है। दोनों एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं। शिक्षा के संबंध में राजनीति और राजनीतिकरण के बीच अंतर है। कोई भी राजनीति से अछूता नहीं रह सकता और कोई भी संस्था चाहे वह शैक्षणिक हो या सामाजिक या सांस्कृतिक, राजनीति से अलग नहीं हो सकती।

स्कूल, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय कहां स्थापित होगा एवं किस संस्था को आर्थिक सहायता मिलेगी आदि शिक्षा राजनीति है। शैक्षणिक संस्थानों में सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों के सभी स्तरों पर काम में सत्ता के खेल को समझने के लिए छात्रों और शिक्षकों में राजनीतिक जागरूकता आवश्यक है। भारत में शिक्षा का राजनीतिकरण एक जटिल और बहुआयामी मुद्दा है। इसे राजनीतिक लाभ के लिए शिक्षा में हेरफेर के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।यह कई रूप ले सकता है, जिसमें किसी विशेष विचारधारा को बढ़ावा देने, असहमति को शांत करने या शैक्षणिक संस्थानों पर नियंत्रण हासिल करने के लिए शिक्षा का उपयोग शामिल है। भारत में शिक्षा का राजनीतिकरण भाषा के मुद्दे के माध्यम से किया गया है। देश विभिन्न प्रकार की भाषाओं का घर है और इस बात पर लंबे समय से बहस चल रही है कि स्कूलों में शिक्षा का माध्यम कौनसी भाषा होनी चाहिए। कुछ समूहों ने तर्क दिया है कि राष्ट्र भाषा हिंदी शिक्षा का एकमात्र माध्यम होनी चाहिए, जबकि अन्य ने तर्क दिया है कि क्षेत्रीय भाषाओं को समान दर्जा दिया जाना चाहिए। यह बहस भी गरमा गई है और इसका राजनीतिकरण भी हुआ है और इसका भारत में शिक्षा प्रणाली पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। इन दो प्रमुख मुद्दों के अलावा, भारत में कई अन्य कारकों, जैसे जाति व्यवस्था, समाज में महिलाओं की भूमिका और देश के आर्थिक विकास के माध्यम से भी शिक्षा का राजनीतिकरण किया गया है। राजनीतिकरण का तात्पर्य संस्थानों के मामलों में राजनीतिक विचारधाराओं के हस्तक्षेप से है, विशेषकर सत्तारूढ़ और प्रमुख राजनीतिक शक्ति द्वारा। इस तरह के किसी भी हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप शासन, पाठ्यक्रम डिजाइन आदि जैसे संस्थानों के मामलों पर एक विशेष राजनीतिक स्थिति को जबरदस्ती थोप दिया जाता है। इसलिए राजनीतिकरण के परिणामस्वरूप विनम्र, गैर-आलोचनात्मक छात्र पैदा होंगे जो पीड़ित होने के डर से शक्तिशाली विचारधाराओं पर सवाल नहीं उठा सकते हैं। शिक्षा का राजनीतिकरण शासक वर्ग के हाथों में संस्थागत मशीनरी के माध्यम से लोगों पर अपने विचार थोपने का एक उपकरण रहा है। चाहे वह पाठ्य पुस्तक संशोधन हो या वित्त पोषण से संबंधित मामले, शिक्षा का राजनीतिकरण शैक्षिक प्रथाओं के समग्र स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। राजनीति का शिक्षा पर प्रभाव पड़ता है। सरकारें अक्सर पाठ्यक्रम में बदलाव करके अपने राजनीतिक विचारों को प्रचारित करती हैं। सरकारें शिक्षण संस्थानों पर नियंत्रण कर- के कुलपतियों, शिक्षकों की नियुक्ति और शोध के विषयों को प्रभावित करती हैं। सरकारें शिक्षण संस्थानों को फंडिंग देकर उनके कामकाज को प्रभावित करती हैं। राजनीतिक दल अक्सर छात्र संगठनों को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं। शिक्षा का भी राजनीति पर प्रभाव पड़ता है। शिक्षित मतदाता अधिक जागरूक होते हैं और वे अपने मतदान का बुद्धिमत्तापूर्ण उपयोग करते हैं। शिक्षित लोग अक्सर अच्छे नेता बनते हैं। शिक्षा समाज में परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शिक्षा का राजनीतिकरण तब होता है जब शिक्षा को राजनीतिक हितों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह शिक्षा की गुणवत्ता को कम करता है और छात्रों को राजनीतिक मतभेदों में फंसा देता है। शिक्षा के राजनीतिकरण के परिणाम के कारण शैक्षणिक स्वतंत्रता में कमी हो जाती है। शिक्षक और छात्र अपने विचार स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने में हिचकिचाते हैं। शिक्षा का ध्यान गुणवत्ता से हटकर राजनीतिक एजेंडे पर केंद्रित हो जाता है। छात्र राजनीतिक दलों के साथ जुड़ जाते हैं और एक-दूसरे के खिलाफ हो जाते हैं। शिक्षा और राजनीति के बीच एक संतुलन बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है। शिक्षा में राजनीति का बढ़ता दखल एक बहस का विषय है। कुछ लोग इसे सकारात्मक मानते हैं, जबकि कुछ इसे नकारात्मक मानते हैं। कुछ लोग मानते हैं कि राजनीति का हस्तक्षेप शिक्षा के प्रबंधन में सहायक हो सकता है। उचित राजनीतिक नेतृत्व के माध्यम से, सरकार शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार कर सकती है, जैसे कि नई शिक्षा नीति 2020 इत्यादि। हालांकि, कुछ लोग मानते हैं कि राजनीति का हस्तक्षेप उच्च शिक्षा संस्थानों की स्वायत्तता को खतरे में डालता है। महत्वपूर्ण है कि हम सही संतुलन को प्राप्त करें, जहां सरकारी प्रबंधन और समर्थन महत्वपूर्ण हो, परंतु संस्थाओं को समुचित स्वतंत्रता मिले। शिक्षा और राजनीति के बीच एक जोड? वाला सेतु है। शिक्षा ज्ञान का सबसे निकटतम सहयोगी हो सकता है। शिक्षा की प्राथमिक भूमिका एक छात्र के पढ?, समझ और समझ में सुधार के माध्यम से शिक्षित करना ही है। कभी पेड़ों के नीचे जमीन पर बैठकर शिक्षा ग्रहण करते छात्र, कभी तख्ती पर इमला लिखते छात्र और कभी अपने हाथों पर अध्यापकों से डंडे खाते छात्र, शिक्षा की पवित्रता, गुणवत्ता और महत्ता को दशार्ते थे। तब बैठने को सुविधाजनक डेस्क न सही, स्मार्ट क्लासरूम न सही, पर शिक्षा सौ फीसदी खरी थी। तब विद्यालय से निकलने वाला छात्र सोने की तरह तप कर खरा निकलता था। छात्र-शिक्षक का रिश्ता मयार्दा और अपनेपन का आभास लिए एक सुखद एहसास करवाता था। अब वक्त ने सब बदल दिया है। आज की शिक्षा वह शिक्षा नहीं है जो संस्कृति और सभ्यता को साथ लेकर चलती थी। किसी भी लोकतांत्रिक देश में शिक्षा, राजनीति से अलग नहीं हो सकती है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि शिक्षा का राजनीति से गहरा संबंध है। स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले देश के शीर्ष नेताओं- गांधी, टैगोर, जाकिर हुसैन जैसी शख्सियत, शिक्षा से संबंधित मुद्दों पर बोलते थे, लिखते थे और संस्थानों के निर्माण में अपनी भूमिका निभाते थे। यह भारत का दुर्भाग्य रहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद चोटी के नेताओं ने शिक्षा के मुद्दों से एक दूरी बना ली और न ही यह पुराने नेताओं की इतनी काबीलियत रखते हैं। अब शिक्षा सिर्फ राजनीति करने का सुलभ मंच और प्रभावी माध्यम बन गई है। क्या इस रिश्ते को कभी संतुलित किया जा सकेगा।

राशिफल

मेष राशि :- तनाव व उदर रोग, मित्र लाभ, राज-भय, पारिवारिक समस्या अवश्य सुलझेगी।

वृष राशि :- अनुभव सुख, मंगल कार्य, विरोध, मुकदमों-मामलों में विजय।

मिथुन राशि :- कुसंगति से हानि, विरोध, भय, यात्रा, सामाजिक कार्यों में व्यवधान अवश्य होगा।

कर्क राशि :- भूमि-लाभ, स्त्री-सुख, हर्ष, प्रगति, स्थिति में सुधार, लाभ अवश्य ही होगा।

सिंह राशि :- तनाव व विवाद से बचें, विरोधियों की चिन्ता, राज कार्यों से प्रतिष्ठा मिल सकेगी।

कन्या राशि :- भूमि-लाभ, स्त्री-सुख, हर्ष, प्रगति, स्थिति में सुधार, लाभ तथा कार्य उत्तम होंगे।

तुला राशि :- प्रगति, वाहन का भय, भूमि लाभ, कलह, कुछ अच्छे कार्य कर सकेंगे ध्यान रखें।

वृश्चिक राशि :- कार्य सिद्ध, विरोध, लाभ, हर्ष, कष्ट, व्यय होवे, व्यापार में सुधार होगा।

धनु राशि :- यात्रा में हानि, कष्ट, व्यय में कमी, व्यवस्था का अनुभव होगा।

मकर राशि :- शुभ कार्य, वाहन आदि सुख, रोग, धार्मिक कार्य, कुछ अच्छे कार्य हो सकते हैं ध्यान दें।

कुंभ राशि :- अभीष्ट सिद्ध, राज-भय, कार्य बाधा, राज कार्यों में रुकावट का अनुभव होगा।

मीन राशि :- अल्प हानि, रोग भय, सम्पर्क लाभ, राज कार्य में विलम्ब, परेशानी होगी।

भैया दूज, क्या है मनाने की विधि

भैया दूज कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाने वाला हिंदू धर्म का पर्व है जिसे यम द्वितीया भी कहते हैं। भारतीय समाज में परिवार सबसे अहम पहलू है। भारतीय परिवारों की एकता यहां के नैतिक मूल्यों पर टिकी होती है। इन नैतिक मूल्यों को मजबूती देने के लिए वैसे तो हमारे संस्कार ही काफी हैं, लेकिन फिर भी इसे अतिरिक्त मजबूती देते हैं हमारे त्योहार। इन्हीं त्योहारों में भाई-बहन के आत्मीय रिश्ते को दशार्ता एक त्योहार है भैया दूज।

महत्त्व

हिंदू समाज में भाई-बहन के पवित्र रिश्तों का प्रतीक भैया दूज (भाई-टीका) पर्व काफी महत्त्वपूर्ण माना जाता है। भाई-बहन के पवित्र रिश्तों के प्रतीक के पर्व को हिंदू समुदाय के सभी वर्ग के लोग हर्षोल्लास से मनाते हैं। इस पर्व पर जहां बहनें अपने भाई की दीघार्यु व सुख-समृद्धि की कामना करती हैं, तो वहीं भाई भी शगुन के रूप में अपनी बहन को उपहार स्वरूप कुछ भेंट देने से नहीं चूकते।

भैया दूज की कथा

कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया को मनाए जाने वाले इस त्योहार के पीछे की ऐतिहासिक कथा भी निराली है। पौराणिक आख्यान के अनुसार सूर्य पुत्री यमुना ने अपने भाई यमराज को आमंत्रित किया कि वह उसके घर आकर भोजन ग्रहण करें, किंतु व्यस्तता के कारण यमराज उनका आग्रह टाल जाते थे। कहते हैं कि कार्तिक शुक्ल द्वितीया को यमराज ने यमुना के घर जाकर उनका सत्कार ग्रहण किया और भोजन भी किया। यमराज ने बहन को वर दिया कि जो भी इस दिन यमुना में स्नान करके बहन के घर जाकर श्रद्धापूर्वक उसका सत्कार ग्रहण करेगा, उसे व उसकी बहन को यम का भय नहीं होगा। तभी से लोक में यह पर्व यम द्वितीया के नाम से प्रसिद्ध हो गया। भाइयों को बहनों की टीकाकरण के चलते इसे भातृ द्वितीया या भाई दूज भी कहते हैं।

मनाने की विधि

इस पूजा में भाई की हथेली पर बहनें चावल का घोल लगाती हैं। उसके ऊपर सिंदूर लगाकर कद्दू के फूल, पान, सुपारी मुद्रा आदि हाथों पर रखकर धीरे-धीरे पानी हाथों पर छोड़ते हुए कुछ मंत्र बोलती हैं जैसे गंगा पूजे यमुना को यमी पूजे यमराज को, सुभद्रा पूजे कृष्ण को, गंगा यमुना नीर बहे मेरे भाई की आयु बढ़े। इसी प्रकार कहीं इस मंत्र के साथ हथेली की पूजा की जाती है सांप काटे, बाघ काटे, बिच्छू काटे जो काटे सो आज काटे। इस तरह के शब्द इसलिए कहे जाते हैं क्योंकि ऐसी मान्यता है कि आज के दिन अगर भयंकर पशु काट भी ले तो यमराज के दूत भाई के प्राण नहीं ले जाएंगे। कहीं-कहीं इस दिन बहनें भाई के सिर पर तिलक लगाकर उनकी आरती उतारती हैं और फिर हथेली में कलावा बांधती हैं। भाई का मुंह मीठा करने के लिए उन्हें माखन मिस्री खिलाती हैं। संध्या के समय बहनें यमराज के नाम से चौमुख दीया जलाकर घर के बाहर रखती हैं। इस समय ऊपर आसमान में चील उड़ता दिखाई दे तो बहुत ही शुभ माना जाता है।

देहात की आकर्षक स्कीम देहात ग्रेट गेहूँ महोत्सव का दूसरा सीजन लॉन्च

गुरुग्राम/ बिहार। देश की सबसे बड़ी एग्रीटेक कंपनी देहात ने ग्रेट गेहूँ महोत्सव का दूसरा सीजन लॉन्च कर दिया है। इस स्कीम के तहत कुल 2001 विजेता किसानों को देहात के रीसर्च गेहूँ बीज की खरीददारी पर बोलेरो, ट्रैक्टर, बुलेट समेत कई आकर्षक उपहार दिये जाएंगे।

पिछले रबी सीजन के दौरान चलायी गयी इस स्कीम में देश भर के 1.5 लाख से अधिक किसानों ने भाग लिया था। जिसमें से 2,001 विजेता किसानों को विशेष इनामों से सम्मानित किया गया था। स्कीम का सबसे बड़ा इनाम भोपाल के जितेंद्र मीना (गब्बर) के नाम रहा, जिन्होंने महिंद्रा भूमिपुत्र ट्रैक्टर जीता। स्कीम दूसरा बड़ा इनाम मारुती ऑल्टो पटना के रहने वाले गोलू कुमार ने जीता था।

इस अवसर पर देहात के सह संस्थापक व सीओओ श्याम सुंदर सिंह ने कहा, ह्लपिछले सीजन जिस तरह किसानों ने देहात पर अपना विश्वास जताकर स्कीम में भाग लिया वह काबिले तारीफ है। हमने "ग्रेट गेहूँ महोत्सवह्व के विजेताओं को ट्रैक्टर व ऑल्टो कार जैसे इनाम दिए। हमें न केवल किसानों की ओर से बीज को लेकर अच्छा फीडबैक मिला बल्कि वे स्कीम को लेकर भी काफी उत्साहित दिखें।

बताते चलें कि, स्कीन में भाग लेना बेहद आसान है। किसानों को अपने नजदीकी देहात केंद्र से देहात के रिसर्च गेहूँ बीज की खरीददारी करना है और अपना लकी कूपन प्राप्त कर स्कीम के लिए रजिस्टर करना है।

बर्फ के पानी में हाथ डालने से माइग्रेन का दर्द दूर होता है

माइग्रेन का दर्द काफी भयंकर होता है। सोशल मीडिया पर दावा वायरल हो रहा है कि हाथों को बर्फ के पानी में डालने से माइग्रेन का दर्द कम हो जाता है। एक्सपर्ट बताते हैं ठंडा पानी कैसे काम करता है, शरीर और दिमाग पर इसका क्या असर होता है। क्या इससे लाभ होता है, आइए आपको बताते।

सोशल मीडिया पर कई चीजें वायरल होती रहती है। इन दिनों एक वीडियो इंस्टाग्राम पर खूब वायरल हो रही है, दावा किया जा रहा है कि बर्फ के पानी में हाथ डालने से माइग्रेन का सिरदर्द कंट्रोल हो जाता है। क्या सचमुच में यह माइग्रेन के दर्द को कम करता है। इस दावे का सच हम आपको जरुर बताएंगे। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, यह एक प्रकार का घरेलू नुस्खा है। कई लोगों को इससे फायदा मिल सकता है। माइग्रेन एक प्रकार का सिरदर्द है जो अक्सर एक तरफा होता है और इसके साथ कई अन्य लक्षण भी हो सकते हैं। माइग्रेन केवल सिर दर्द ही नहीं बल्कि मतली, धुंधली दृष्टि, गंध, प्रकाश या ध्वनियों के प्रति असंवेदनशील बन जाता है। माइग्रेन की समस्या किसी भी उम्र में हो सकती है लेकिन यह 18 से 44 वर्ष के लोगों को अधिक परेशान करती है। जानकारी के मुताबिक पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक माइग्रेन की समस्या होती है। आइए आपको बताते हैं यह बर्फ उपाय कैसे करें।

ब्लड वेसल्स का संकुचन

- आप अपने हाथों को बफीर्ले पानी में डालते हैं, तब शरीर की ब्लड वेसल्स सिकड़ने लगती हैं। डॉक्टर के मुताबिक, इसे Vasoconstriction कहा जाता है।
- माइग्रेन दर्द के दौरान सिर की नसें फैल जाती है, जिससे ब्लड फ्लो और प्रेशर बढ़ता है और दर्द होता है।
- हाथों की नसें सिकुड़ने से शरीर का सकुर्लेश बदल जाता है, जिससे सिर का प्रेशर कम होता है और दर्द घटने लगता है।

ब्रेन का ध्यान भटकाना

- ठंडे पानी का स्पर्श आपके ब्रेन को नया सिग्नल भेजता है।
- ऐसा करने से ब्रेन दर्द को नहीं, ठंडक पर फोकस करने लगता है।
- यह प्रकार से नेचुरल डिस्ट्रैक्शन थेरेपी है।
- इससे दिमाग को अस्थायी राहत मिलती है। दर्द में आराम मिलता है।

कैसे इस्तेमाल करें यह तरीका

- सबसे पहले आप एक बर्तन या टब में ठंडा पानी लें और इसमें बर्फ के टुकड़े डालें।
- इसके बाद अपने हाथों के कलाई या कोहनी तक पानी में डुबो दें।
- इस पानी में 1 से 5 मिनट तक हाथ डुबोकर रख दें।
- यदि आपको सिरदर्द में राहत महसूस हो, तो हाथ से बाहर निकाल लें और धीरे-धीरे शरीर को गर्म होने दें।

कलेक्टर श्री तिवारी ने किसानों से 24 अक्टूबर तक पंजीयन जरूर कराने का किया आग्रह

कटनी जिले में पहली बार होगा कोदो-कुटकी का उपार्जन

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना अंतर्गत समर्थन मूल्य पर कटनी जिले के इतिहास में किसानों से पहली बार कोदो-कुटकी का उपार्जन किया जायेगा। इसके लिए कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने किसान भाइयों से आग्रह किया है कि वे असुविधा से बचने,अंतिम तिथि के पहले ही 24 अक्टूबर तक अपना पंजीयन अवश्य करवा लेंवे।

जिले में 2800 हेक्टेयर से अधिक भू-क्षेत्र में होती है कोदो -कुटकी की खेती

जिले में बनें हैं 11 पंजीयन एवं उपार्जन केन्द्र

पंजीयन केन्द्र

कलेक्टर श्री तिवारी ने किसानों की सुविधा और सहूलियत के मद्देनजर कोदो-कुटकी की खरीदी के लिए 11 पंजीयन केन्द्र बनाए हैं। जिले में 11 पंजीयन केन्द्रों यथा बी पैक्स सहकारी समिति मर्यादित विजयराघवगढ, सिनगौड़ी, रीठी, बकलेहटा, पिपरियाकला, बड़वारा, विलायतकॅला, झिन्नापिपरिया, सिलौड़ी, स्लीमनाबाद तथा विपणन सहकारी समिति कटनी का निर्धारण किया गया है। इन केन्द्रों पर कृषकों द्वारा पंजीयन कराया जा सकता है और शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त किया जा सकता है। जिले में करीब 2 हजार 836 हेक्टेयर से अधिक भू-क्षेत्र में कोदो -कुटकी की खेती की जाती है। जिले का विजयराघवगढ़ क्षेत्र कोदो- कुटकी के उत्पादन में अग्रणी है। यहां के अलावा बड़वारा, ढीमरखेड़ा और रीठी क्षेत्र में भी कोदो -कुटकी की बढ़-चढ़ कर खेती की जाती है।

1 हजार रुपए प्रति क्विंटल मिलेगी प्रोत्साहन राशि

श्रीअन्न उत्पादक जिले के कृषकों से श्रीअन्न कंसोर्टियम ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (श्रीअन्न फेडरेशन) द्वारा कोदो-कुटकी का उपार्जन किया जायेगा। खरीफ- 2025 में उत्पादित श्रीअन्न कुटकी 3500 रुपए प्रति क्विंटल एवं कोदो 2500 रुपये प्रति क्विंटल के मान से उपार्जन किया जायेगा। इसके अतिरिक्त कृषको को प्रोत्साहन राशि के रूप में 1000 रुपये प्रति क्विंटल के मान से संबंधित कृषकों के खातों में डीबीटी के माध्यम से प्रदाय किये जायेंगे।

रविन्द्र नाथ टैगोर वार्ड की अमीरगंज गौशाला में गोवर्धन पूजा का हुआ आयोजन

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। राज्य शासन के निर्देशन में प्रदेश की सांस्कृतिक, धार्मिक एवं सामाजिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से बुधवार को प्रमुख सार्वजनिक स्थलों एवं गौशालाओं में गोवर्धन पूजा का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। इसी क्रम में नगर निगम कटनी द्वारा भी रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड स्थित गौशाला में गोवर्धन पूजा का आयोजन महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी के मुख्य आतिथ्य तथा निगमाध्यक्ष मनीष पाठक की मौजूगदी में किया गया। इस दौरान निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार भी विशेष रूप से मौजूद रहीं। कार्यक्रम के दौरान मेयर इन काउंसिल सदस्य सर्व श्री सुभाष साहू, डॉ रमेश सोनी, एड. सुरेन्द्र गुप्ता, गोविंद चावला, उमेन्द्र अहिरवार, रेखा संजय तिवारी, शशिकांत तिवारी, भाजपा नेता अज्जू सोनी, विकास अग्रवाल, कमल आसरानी सहित समाजसेवी राजू शर्मा, राजू जैन सहित अन्य जनों एवं नगर निगम के अधिकारी कर्मचारियों की मौजूदगी रही।

गोवर्धन पूजा एवं गौ सेवा

महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी, निगमाध्यक्ष मनीष पाठक एवं आयुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने कार्यक्रम के दौरान गोबर से निर्मित श्री गोवर्धन जी की विधि-विधान से पूजन एवं आरती कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों द्वारा गौ-माता का विधिवत पूजन किया जाकर गायों को स्नेह पूर्वक दुलारा और उन्हें गुड़ एवं मिष्ठान, खिचड़ी इत्यादि खिलाया गया। महापौर श्रीमती सूरी ने इस दौरान गौसंरक्षण, संवर्धन एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु जन जागरण का आह्वान किया। साथ ही अतिथियों के साथ मिलकर जीवनदायिनी गौमाता की सेवा कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने अपने संबोधन में उपस्थित सभी को दीपावली पर्व और गौ-पूजन कार्यक्रम की शुभकामनाएं और बधाई देते हुए कहा कि राज्य शासन के नेतृत्व में प्रदेश के दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी उद्देश्य से आज प्रदेशभर में गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जागरूकता लाने हेतु गोवर्धन पूजा कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सदियों से गोवर्धन पूजा और गाय गोहरी उत्सव हमारी परंपरा का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। आने वाली पीढ़ियों में भी हमारी संस्कृति के प्रति संवेदनशीलता और जुड़ाव बना रहे, इसके लिए इस प्रकार के आयोजनों का सतत रूप से होना आवश्यक है। वहीं निगमाध्यक्ष श्री मनीष पाठक ने कहा कि धार्मिक ग्रंथों के मुताबिक गोवर्धन पूजा का पर्व श्रीकृष्ण के प्रकृति प्रेम और गोकुल की रक्षा को याद कराता है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करने से धन-धान्य, सुख शांति औश्र परिवारिक एकता बढ़ती है।

धनतेरस व दीपावली पर कैमोर नगर पंचायत अध्यक्ष ने सफाई कर्मियों का किया सम्मान

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। धनतेरस और दीपावली के पावन अवसर पर कैमोर नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पलक नमित ग्रोवर ने नगर के सफाई कर्मचारियों को मिठाई और उपहार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी सफाई कर्मियों को दीपावली और धनतेरस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।अध्यक्षा श्रीमती ग्रोवर ने कहा कि सफाई कर्मचारी हमारे समाज के सच्चे योद्धा हैं। जो हर त्यौहार और हर परिस्थिति में नगर को स्वच्छ रखने का कार्य निष्ठा और समर्पण के साथ करते हैं। उनकी मेहनत और प्रतिबद्धता से ही हमारा नगर स्वच्छ सुंदर और स्वस्थ वातावरण बना पाया है। उन्होंने कर्मचारियों के उज्जवल भविष्य सुख-समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामनाएँ दीं। कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। मौके पर खुशियों और उत्साह का वातावरण छा गया।अध्यक्षा ग्रोवर ने नगरवासियों से अपील की कि वे इस दीपावली पर स्वच्छता और स्वदेशी उत्पादों को अपनाएं। उन्होंने कहा आओ इस बार प्लास्टिक मुक्त और प्रदूषण रहित दिवाली मनाएँ ताकि हमारा पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों सुरक्षित रहें।

केवलारी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष की कुर्सी पर चार दावेदार, किसके सिर सजेगा ताज?

चार मजबूत दावेदार आमने-सामने

प्रमोद मोदी – वर्तमान ब्लॉक अध्यक्ष

सुभाष बघेल जिला महामंत्री

मुकेश राजपूत जनपद सदस्य

अभय अग्रवाल – पूर्व अध्यक्ष सोसाइटी एवं मण्डल प्रभारी

अब देखने वाली बात होगी कि इन चारों में से किसके सिर ब्लॉक केवलारी का ताज सजता है।

केवलारी, (रेवांचल टाइम्स)। विधानसभा क्षेत्र केवलारी में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। संगठन में बदलाव की सुगबुगाहट के बीच ब्लॉक अध्यक्ष पद के चार दावेदार मैदान में हैं।

एक ही समाज से दो ब्लॉक अध्यक्ष बनने पर सवाल

केवलारी विधानसभा के अंतर्गत अन्य ब्लॉकों में पहले से ही बघेल समाज के प्रतिनिधि संगठन में महत्वपूर्ण पदों पर हैं। ऐसे में सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या कांग्रेस संगठन एक ही समाज से अलग-अलग ब्लॉकों में अध्यक्ष बना सकता है? चूंकि इस बार प्रमुख दावेदारों में सुभाष बघेल भी शामिल हैं, इसलिए यह समीकरण और भी रोचक हो गया है।

उमंग सिंघार की रहेगी विशेष नजर

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की विशेष निगाह इस प्रक्रिया पर रहेगी, राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि सिंघार की पसंद और संगठन के निर्णय में तालमेल किस तरह बैठता है, यही ब्लॉक अध्यक्ष की कुर्सी तय करेगा।

अन्य ब्लॉकों में नियुक्तियां पूर्ण

केवलारी विधानसभा के अन्य ब्लॉकों में हाल ही में सर्वसम्मति से अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं –
छपारा ब्लॉक: गुलाब साहू
उगली ब्लॉक: वीरेंद्र राज ठाकुर
कान्हीवाड़ा ब्लॉक: श्याम सिंह ठाकुर
धनौरा ब्लॉक: आदित्य नारायण बघेल
इन नियुक्तियों में प्रभारी अतुल मालू एवं सोहेल पाशा की उपस्थिति रही।

विधायक की भूमिका और भविष्य की चुनौती

अब यह देखने योग्य होगा कि विधायक रजनीश सिंह की विधानसभा में कांग्रेस संगठन स्व-नेतृत्व में नया अध्यक्ष बनाकर मजबूती हासिल करेगा या फिर गुटबाजी से कमजोर होगा। इस बीच, जिला अध्यक्ष नरेश मरावी की भूमिका भी संगठनात्मक संतुलन में अहम मानी जा रही है। राजनीतिक समीक्षक मानते हैं कि आने वाले समय में यह फैसला न केवल संगठन की दिशा तय करेगा, बल्कि आगामी चुनाव में कांग्रेस की जीत या हार का भी संकेत बन सकता है।

राजनीतिक दलों में श्रेय लेने की मची होड़

तथाकथित नेता सेंक रहे राजनीतिक रोटियां

मटवारा विवाद में निष्पक्ष जांच की मांग

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। जनपद पंचायत बहोरीबंद के ग्राम पंचायत मटवारा में निमार्णाधीन नवीन पंचायत भवन के दौरान हुए विवाद का मामला अब राजनीतिक रंग लेने लगा है। दलित युवक पर कथित रूप से पेशाब करने के आरोप के बाद दर्ज मामलों में जहां पुलिस जांच जारी है, वहीं कुछ राजनीतिक दल अब इस प्रकरण का श्रेय लेने में जुट गए हैं। जानकारी के अनुसार, 13 अक्टूबर 2025 को भवन की प्लिंथ भराई के दौरान पूर्व मेट राजकुमार चौधरी और वर्तमान मेट रामबिहारी काछी हल्दकार के बीच विवाद हुआ था। इस घटना के बाद रामबिहारी काछी ने स्लीमनाबाद थाना में राजकुमार चौधरी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धाराओं 296, 115(2), 351(3) में एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके जवाब में 16 अक्टूबर 2025 को दूसरे पक्ष की ओर से अपराध क्रमांक 579/2025 के तहत फरियादी राजकुमार चौधरी ने रामबिहारी काछी, रामानुज पांडेय, सतीश पांडेय, पवन पांडेय के खिलाफ बीएनएस की धाराओं 286, 115(2), 126(2), 351(3), 3(5) एवं एससी-एसटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस के अनुसार, एफआईआर में मूत्र विसर्जन से संबंधित कोई ठोस साक्ष्य अब तक प्रस्तुत नहीं किया गया है। इसलिए जनसामान्य से साक्ष्य आमंत्रित किए गए हैं, ताकि जांच निष्पक्ष और तथ्यपरक हो सके। इस बीच, कुछ राजनीतिक दलों और स्थानीय नेताओं ने इस मामले को लेकर बयानबाजी शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, कुछ दल इसे दलित उत्पीड़न के खिलाफ अपनी पहल बताकर राजनीतिक श्रेय लेने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि अन्य इसे झूठा आरोप बताकर विरोधियों पर निशाना साध रहे हैं। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मामला पूरी तरह से जांच के अधीन है, और किसी भी राजनीतिक दबाव से परे निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी। संबंधित पक्षों से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और दोषी पाए जाने वालों पर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

नगर परिषद और पुलिस की सराहनीय पहल से सुकून से मना रहे नगर के लोग त्योहार

व्यवस्थित यातायात और सुरक्षा प्रबंधन से नगरवासियों ने महसूस की राहत

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। विजयराघवगढ़ नगर परिषद अध्यक्ष राजेश्वरी हरीश दुबे एवं थाना प्रभारी रितेश शर्मा की सराहनीय पहल से इस बार नगर का त्योहार शांति, सुरक्षा और सुकून के माहौल में मनाया गया। दिपावली त्योहार के दौरान नगर में अक्सर लगने वाले जाम और अव्यवस्था को रोकने के लिए प्रशासन ने मिलकर ठोस कदम उठाए। नगर परिषद द्वारा भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई गई और उनके लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किया गया। साथ ही मुख्य मार्गों पर बैरिकेडिंग लगाकर नगर परिषद कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई।थाना प्रभारी रितेश शर्मा के निर्देशन में पुलिस बल को नगर के प्रमुख चौराहों और बाजार क्षेत्र में तैनात किया गया। पुलिस की मौजूदगी और सतर्क निगरानी से बाजारों में भीड़भाड़ नियंत्रण में रही और लोगों ने त्योहार की खरीदारी बेफिक्र होकर की।व्यवस्थाओं का जायजा लेने स्वयं नगर परिषद अध्यक्ष राजेश्वरी हरीश दुबे बाजार पहुँचीं। व्यापारियों ने अध्यक्ष की इस पहल और प्रशासनिक समन्वय के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। थाना प्रभारी रितेश शर्मा ने कहा। त्योहारों पर सुरक्षा व्यवस्था हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। नगर परिषद और पुलिस के सहयोग से हमने प्रयास किया कि नागरिक निश्चिंत होकर त्यौहार का आनंद ले सकें। आगे भी पुलिस प्रशासन जनता की सुविधा के लिए तत्पर रहेगा। संयुक्त रूप से की गई इस कार्यवाही की प्रशंसा पूरे नगर में की जा रही है। अध्यक्ष राजेश्वरी दुबे ने कहा कि हर साल त्योहारों के दौरान भारी वाहनों और भीड़ से व्यापारियों व खरीददारों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इस बार पुलिस की सहभागिता से हमने समस्या का स्थायी समाधान करने की कोशिश की है।इस बार सचमुच विजयराघवगढ़ ने महसूस किया सुरक्षा और व्यवस्था के संग सजे त्योहार का असली आनंद।

31 अक्टूबर तक शत-प्रतिशत वितरण का दिया निर्देश

राशन वितरण की धीमी गति पर जिला आपूर्ति अधिकारी ने जताई नाराजगी

कटनी । सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत जिले में अक्टूबर माह के खाद्यान्न वितरण की धीमी गति पर जिला आपूर्ति अधिकारी सज्जन सिंह परिहार ने समस्त शासकीय उचित मूल्य दुकान के विक्रेताओं को सख्त निर्देश जारी किया है। जारी निर्देश में कहा गया है कि अब तक जिले का वितरण प्रतिशत मात्र 51 प्रतिशत है। इस बेहद कम प्रतिशत पर वरिष्ठ अधिकारियों ने अप्रसन्नता व्यक्त की है तथा 31 अक्टूबर के पूर्व वितरण पूर्ण करने के निर्देश दिये हैं। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री परिहार ने सभी उचित मूल्य दुकान विक्रेताओं को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिन दुकानों में नागरिक आपूर्ति निगम कटनी से अक्टूबर माह की वितरण सामग्री प्राप्त हो चुकी है, उसे तत्काल पीओएस मशीन में रिसीव कर 31 अक्टूबर से पूर्व शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित करें। इसके बाद वितरण की अवधि में वृद्धि नहीं की जायेगी। वितरण पूर्ण न होने पर विक्रेता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर ने किया जनपद पंचायत बड़वारा के निर्माण कार्यों का निरीक्षण

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने जनपद पंचायत बड़वारा में विकास एव निर्माण कार्यो का औचक निरीक्षण किया। साथ ही अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। सीईओ सुश्री कौर ने ग्राम पंचायत मझगंवा में मनरेगा योजना के तहत प्रगतिरत कार्य कंटूरट्रेन्च निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इसकी स्वीकृत लागत 9 लाख रुपए हैं। निर्माण कार्य में अब तक 4.62 लाख रुपए व्यय हो चुके है।

मौके पर उन्होंने उपस्थित सहायक यंत्री प्रियंका लखेरा को प्राक्कलन अनुसार कार्य कराने के निर्देश दिये। उन्होंने सूचना फलक नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त की तथा प्रत्येक निर्माण कार्य में मौके पर सूचना फलक लगाये जाने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान सीईओ सुश्री कौर ने ग्राम पंचायत पठरा में विगत वर्षो में निर्मित सीपीटी, देवारण्य वृक्षारोपण एवं परकोलशन तालाब ग्राम बिजौरी का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्मित तालाब के संबंध में सहायक यंत्री को व्यय राशि के अनुसार विस्तृत प्रतिवेदन सात दिवस में प्रस्तुत किये जाने के निर्देश मौके पर दिये। साथ ही देवारण्य वृक्षारोपण में कार्य बंद होने पर अप्रसन्नता व्यक्त की।

पठरा गोशाला में गोवर्धन पूजा कार्यक्रम में शामिल हुई जिला पंचायत सीईओ

जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री सिमरनप्रीत कौर विकासखंड बड़वारा के ग्राम पठरा की बजरंग गौशाला में गोवर्धन पूजा की। यह पूजन कार्यक्रम मानव जीवन विकास समिति सचिव एवं पर्यावरणविद् निर्भय सिंह के नेतृत्व में एवं पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. रवि कटारिया के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस दौरान जनपद पंचायत बड़वारा की मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभा तेकाम भी मौजूद रहीं। पूजन कार्यक्रम गौ-माता की पूजा एवं गो-ग्रास का आहार कराकर पूजन कार्य संपन्न हुआ। यहां ब्रजमोहन यादव के साथ ग्वालों की टीम ने अपनी दिवारी नृत्य कला का प्रदर्शन कर लोगों का मन मोह लिया। इस दौरान तहसीलदार बड़वारा ऋषि गौतम, सहायक यंत्री बड़वारा प्रियंका लखेरा, बीपीओ उदयभान दाहिया, एपीओ डॉ. अजीत सिंह परिहार, पंचायत इंस्पेक्टर श्री तिवारी, ग्राम पंचायत पठरा सरपंच अशोक सिंह, सचिव नत्थू सिंह, रोजगार सहायक सुशील कुशवाहा, समाजसेवी विकास यादव, अमाड़ी सरपंच रामलाल सिंह सहित ब्लॉक स्तरीय एवं तहसील स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी के साथ ग्रामीणों ने भारी संख्या कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मानव जीवन विकास समिति कार्यकर्ता रामकिशोर चौधरी, ओमप्रकाश यादव, चंद्रपाल कुशवाहा के साथ समस्त टीम का विशेष सहयोग रहा।

क्या आप दाद-खाज़, खुजली से परेशान है?
अब आपके शहर सिवनी में सभी प्रकार के चर्म रोगों का उपचार सुप्रसिद्ध चिकित्सक द्वारा संभव
डॉ. हेमलता चांचरिया
BHMS, PGDCC, Cosmetologist
चर्म, केश, सौन्दर्य चिकित्सक
माह के दूसरे एवं चौथे बुधवार सुबह 11 बजे से 2 बजे तक

दाद (दराद) खाज खुजली का ईलाज
* कील मुहाँसे का सफलतम ईलाज
* चेहरे का साँवलापन झाई एवं Chemical Peeling दाग धब्बे हटाये द्वारा
* तील एवं मस्सो का स्थाई ईलाज लेजर द्वारा
* चेहरे के अनचाहे बालों को हटाना बालों का झड़ना समय से पहले बाल सफेद होना गंजेपन का ईलाज (पी.आर.पी.) द्वारा
* सफेद दाग का सफल ईलाज दवाई एवं सर्जरी द्वारा।
* काली झाईयाँ, चेहरे के दाग धब्बे एवं गड्ढों का सफलतम ईलाज।
* एलर्जी, एग्जिमा, शरीर पर खुजली एवं सोरायसिस का सफल इलाज
* चेहरे के गड्ढे झुरियां एवं दाग का सफल ईलाज दवाई एवं Dermaroller द्वारा
रेवा फार्मेसी
पता: बरघट रोड़, गणेश चौक, सिवनी
Mob: 96696 52061, 88393 10065

1.27 करोड़ खातों में 318 करोड़ ट्रांसफर करेंगे सीएम

मोहन यादव बोले- श्रीकृष्ण की बहन सुभद्रा की तरह लाड़ली बहनों को यह राशि दे रहे

भोपाल। रक्षाबंधन पर 250 रुपए की राशि लाड़ली बहनों के खाते में जमा करने के बाद मोहन सरकार अब आज भाईदूज पर एक बार फिर 1.27 करोड़ बहनों के खाते में 250 रुपए ट्रांसफर करेगी। इस तरह 318 करोड़ रुपए लाड़ली बहनों के खाते में जमा होंगे। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद अब नवंबर से हर लाड़ली बहना के खाते में 1500 रुपए जमा होंगे।

भाईदूज पर लाड़ली बहनों के खाते में राशि भेजने के पहले मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण की बहन सुभद्रा की तरह लाड़ली बहनों को यह राशि योजना के तहत दी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी लाड़ली बहनों को भाईदूज की बधाई भी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बहनों, युवाओं, किसानों और गरीबों के कल्याण के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहनों को भाईदूज के अवसर पर लाड़ली बहना योजना में 250 रुपए की राशि देने का वादा पूरा किया जा रहा है। अब बहनों के योजना के अंतर्गत 1500 रुपए प्राप्त होंगे।

किसानों के खाते में भेजे 1800 करोड़

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाईदूज के त्योहार सौगात देने का अवसर बने हैं। इस क्रम में किसानों को प्राकृतिक आपदा से प्रभावित फसलों के लिए 1800 करोड़ की राहत राशि जिलों में दी गई।

हर क्षेत्र में अतिवृष्टि, ओलावृष्टि, पीला मोजेक जैसी समस्याओं का सर्वे करवाकर किसानों को मदद पहुंचाई गई। इसके लिए जिलों में आवश्यक प्रबंधन किया गया। सरकार अन्नदाता के जीवन में आए कष्ट में उसके साथ खड़ी है।

जजों को मिलेगा 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता,कर्मचारियों को इंतजार

न्यायाधीशों को डीए देने के आदेश जारी, एमपी सरकार ने अभी नहीं लिया फैसला

भोपाल। मध्यप्रदेश के करीब साढ़े सात लाख कर्मचारियों को जहां महंगाई भत्ते (ऊअ) में बढ़ोतरी का इंतजार है, वहीं राज्य सरकार ने न्यायिक सेवा के अधिकारियों को राहत दी है। सरकार ने उनका केंद्र के समान 3% महंगाई भत्ता बढ़ाने के आदेश जारी कर दिए हैं। इसके साथ ही अब न्यायाधीशों और न्यायिक अधिकारियों को 58% डीए का भुगतान किया जाएगा।

विधि विभाग ने जारी किए आदेश : विधि और विधायी कार्य विभाग ने एमपी हाईकोर्ट जबलपुर के रजिस्ट्रार जनरल को भेजे निर्देश में कहा है कि केंद्र सरकार के कर्मचारियों को वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग ने 1 जुलाई 2025 से 3% बढ़ा महंगाई भत्ता स्वीकृत किया है। इसके तहत मध्यप्रदेश न्यायिक सेवा (वेतन, पेंशन तथा अन्य सेवानिवृत्ति लाभों का पुनरीक्षण) नियम 2022 के नियम-9 के अंतर्गत यह बढ़ोतरी न्यायिक सेवा अधिकारियों पर भी लागू होगी।

अब 55 से बढ़कर 58 प्रतिशत डीए मिलेगा : राज्य शासन ने आदेश जारी कर कहा है कि 1 जुलाई 2025 से न्यायिक सेवा के सदस्यों को मूल वेतन के 55% की जगह अब 58% प्रतिमाह की दर से महंगाई भत्ता दिया जाएगा।

एरियर का भी भुगतान होगा नगद : निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि संशोधित वेतन संरचना में "मूल वेतन" से तात्पर्य सातवें केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार स्वीकृत वेतन से है। इसमें विशेष वेतन या व्यक्तिगत वेतन शामिल नहीं होगा। बढ़े हुए डीए का भुगतान 1 जुलाई 2025 से नगद किया जाएगा, जबकि एरियर के बिल संबंधित अधिकारी के वेतन निकालने वाले कार्यालय से ही तैयार किए जाएंगे।

दीपावली पर उम्मीद थी पर सीएम ने नहीं किया ऐलान : प्रदेश के कर्मचारियों को दीपावली पर्व के पहले केंद्र के समान 55% से बढ़ाकर 58% महंगाई भत्ता दिए जाने के ऐलान की उम्मीद थी, लेकिन सीएम डॉ मोहन यादव ने इस पर अंतिम फैसला नहीं लिया। ऐसे में अब बढ़े हुए महंगाई भत्ते की राशि कब मिलेगी, इसका इंतजार कर्मचारियों को है। यह जरूर हुआ है कि सरकार ने छग सरकार की अनुमति के बाद पेंशनर्स को महंगाई राहत देने का फैसला कैबिनेट ने लिया और इसके आदेश भी जारी हो गए। पेंशनर्स को महंगाई राहत का भुगतान अगले माह मिलने वाली पेंशन में होगा।

रायसेन की श्रीकृष्ण गौशाला में गोवर्धन पूजा

रायसेन। रायसेन की श्रीकृष्ण गौशाला में बुधवार को गोवर्धन पूजा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गौशाला परिसर में विशाल गोवर्धन स्थापित किया गया था। नगर पालिका अध्यक्ष सविता जमुना सेन और गौशाला समिति के सदस्यों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। पूजा के दौरान गोवर्धन की परिक्रमा की गई,

आरती उतारी गई और हवन में आहुतियां दी गईं। इसके पश्चात गौशाला में मौजूद गायों की भी विशेष पूजा-अर्चना की गई। इस कार्यक्रम में महंत रमन गिरी महाराज, श्रीकृष्ण गौशाला समिति के अध्यक्ष बद्री प्रसाद पाराशर, पूर्व अध्यक्ष मिथिलेश सोनी, सह सचिव भगवान सिंह मीना और सचिव रामनारायण राय, राजीव लोचन चौबे, नरेंद्र महेश्वरी, सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष सविता सेन ने गोवर्धन पूजा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दीपावली के बाद गोवर्धन पूजा की परंपरा हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। यह पर्व भारतीय जनमानस को अपनी जड़ों से जोड़े रखता है और प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना को दर्शाता है।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक को मारी टक्कर

छिंदवाड़ा में 2 युवक गंभीर घायल हुए; ड्राइवर गाड़ी समेत मौके से फरार

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के करबडोल गांव में बुधवार दोपहर एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर मारने के बाद स्कॉर्पियो चालक मौके से फरार हो गया। घायलों को 108 एंबुलेंस से अमरवाड़ा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

स्कॉर्पियो की रफ्तार तेज थी, चालक फरार : क्षेत्र के निवासी अंकित ने बताया कि स्कॉर्पियो की रफ्तार काफी तेज थी और टक्कर मारने के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

108 एंबुलेंस से पहुंचाया अस्पताल : लोगों की सूचना पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। घायलों को नजदीकी अस्पताल अमरवाड़ा पहुंचाया गया, जहां दोनों का उपचार जारी है।

करबडोल की ओर जा रहे थे बाइक सवार : जानकारी के अनुसार, दो पहिया वाहन क्रमांक टढ28 टट 4094 से दोनों युवक करबडोल की ओर जा रहे थे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

ग्रामीण बोले- यह इलाका संवेदनशील : घटना के बाद ग्रामीणों ने बताया कि यह क्षेत्र हादसों के लिहाज से संवेदनशील है, क्योंकि इस मार्ग पर अक्सर भारी वाहन तेज रफ्तार से गुजरते हैं।

पुलिस बोली- उउळश खंगाल रहे, जल्द पकड़ेंगे : अमरवाड़ा थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। फरार स्कॉर्पियो चालक की तलाश के लिए पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। पुलिस का कहना है कि वाहन की पहचान जल्द कर ली जाएगी और आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भोपाल में छठ पूजा की तैयारी, घाटों पर पहुंचे मंत्री

25 अक्टूबर से शुरू होगा महापर्व; 54 छठ पूजन घाट पर सूर्य को अर्घ्य देंगे

भोपाल। भोपाल में छठ महापर्व की शुरूआत 25 अक्टूबर से होगी, जबकि समापन 28 अक्टूबर को होगा। राजधानी में बड़े पैमाने पर महापर्व मनाया जाता है। इसके चलते बड़े स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। बुधवार को मंत्री विश्वास सारंग ने तैयारियों को देखा। वे घाटों पर भी पहुंचे। मंत्री सारंग अन्नानगर, छोला समेत कई घाट पर पहुंचे। यहां उन्होंने सफाई, बिजली और पानी की व्यवस्था करने को कहा। साथ ही सुरक्षा के लिहाज से पुलिसकर्मियों की तैनाती करने के निर्देश दिए।

छठ महापर्व को लेकर यह तैयारी : छठ पूजा से पहले घाटों तक पहुंचने वाली सड़कों को रिपेयर किया जा रहा है। हर घाट पर चेंजिंग रूम भी बनाए हैं। यहां गोताखोर तैनात किए जाएंगे। सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती होगी। पूजा की शुरूआत से लेकर समाप्ति तक लगातार सफाई का दौर चलेगा। कुंडों की लगातार सफाई होगी। बिजली और पेयजल के इंतजाम भी किए जाएंगे।

'एक ही घाट पर हर वर्ग, समाज का व्यक्ति इकट्ठा होता है' : उन्होंने बताया कि छठ महापर्व भोपाल में भी बड़े स्तर पर धूमधाम से मनाया जाता है। खास बात ये है कि एक ही घाट पर हर वर्ग, हर समाज का व्यक्ति इकट्?ठा होता है। कोई भेद नहीं होता। यह एक-दूसरे के सद्भाव और समानता का पर्व भी है। इसलिए आज निरीक्षण करके व्यवस्थाएं करने को कहा है।

छिंदवाड़ा में अवैध शराब का कारोबार

बीजेपी नेता ने खोली पोल, बोले- ठेकेदार चलवा रहे कुचिया; आबकारी-पुलिस नाकाम

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले में अवैध शराब कारोबार को लेकर एक बार फिर हल्ला मचा हुआ है। होटल और ढाबों में खुलेआम शराब परोसे जाने से लेकर गली-मोहल्लों में बेखौफ बिक्री तक का सिलसिला लगातार जारी है। आरोप है कि आबकारी और पुलिस विभाग इस अवैध कारोबार पर नकेल कसने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रहे हैं। नतीजतन, शराब माफियाओं के हौसले लगातार बुलंद हैं। अब कोयलांचल के भाजपा नेता ने ही इस मामले में शिकायती पत्र सौंपा है। कोयलांचल क्षेत्र के चांदामेटा में भाजपा नगर मंडल के उपाध्यक्ष दिलीप ठाकुर ने शराब के अवैध कारोबार की पोल खोलते हुए पुलिस और प्रशासन को शिकायती पत्र सौंपा है।

ठेकेदार पर कुचिया चलवाने का आरोप : शिकायत में आरोप लगाया गया है कि शराब दुकान का ठेकेदार क्षेत्र में बेखौफ कुचिया (अवैध बिक्री अड्डे) चलवाकर गली-मोहल्लों में अवैध रूप से शराब की बिक्री करा रहा है।

"आबकारी विभाग ठेकेदार के इशारे पर कर रहा काम" : ठाकुर का कहना है कि आबकारी विभाग को इसकी पूरी जानकारी होने के बावजूद अधिकारी ठेकेदारों के इशारों पर काम कर रहे हैं और कार्रवाई करने से बच रहे हैं।

SP-SDOP से सख्त कार्रवाई की मांग : भाजपा उपाध्यक्ष ने एसपी और एसडीओपी के नाम पत्र लिखकर ठेकेदार और कुचिया संचालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था और सामाजिक वातावरण पर इसका गलत असर पड़ रहा है।

पहले भी हो चुकी हैं शिकायतें, नहीं हुई कार्रवाई : इससे पहले कोयलांचल के बड़कुही और पगार क्षेत्र में भी भाजपा नेताओं द्वारा शराब के अवैध कारोबार की शिकायतें की जा चुकी हैं। इसके बावजूद आबकारी अमला अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठा पाया है।

"सत्ता पक्ष के नेता बोल रहे, माफिया बेखौफ" : स्थानीय निवासी आशीष गढ़वाल का कहना है कि जब सत्ता पक्ष के नेता ही प्रशासनिक कार्रवाई के लिए मुखर हो रहे हैं, तो समझा जा सकता है कि शराब माफिया कितने बेखौफ होकर कारोबार कर रहे हैं।

गोवर्धन और गौवंश की पूजा पर्यावरण और पशुधन संवर्धन का देती है संदेश : सीएम यादव

सनातन संस्कृति की प्राण हैं गौमाता

राज्य सरकार गौसेवा और गौवंश संरक्षण के लिए हरसंभव सहयोग देने को तत्पर

मध्यप्रदेश को देश का प्रमुख दुग्ध उत्पादक राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है राज्य सरकार

राज्य सरकार समाज के साथ मिलकर मना रही है त्यौहार

गौसेवा और गौवंश संवर्धन को समर्पित संस्थाओं का किया गया सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गोवर्धन पूजा कर राज्य स्तरीय कार्यक्रम को किया संबोधित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीपोत्सव, गोवर्धन पूजा और अन्नकूट महोत्सव की हार्दिक मंगलकामनाएं देते हुए कहा कि आज पूरे प्रदेश में गोवर्धन पूजा हर्षोल्लास से की जा रही है। हर घर, हर गौ-शाला, हर गांव, वृंदावन है और हम सब गोपाल बन गए हैं। हमारी हर परम्परा और उत्सव में प्रकृति के प्रति आदर और समाज के प्रति उत्तदायित्व समाहित है। गोवर्धन पूजा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। हमारी संस्कृति ने हमें छोटी से छोटी चीज प्रदान करने वालों के प्रति भी आभार करना सिखाया है। आज हम प्रकृति के उसी दाता स्वरूप को प्रणाम कर रहे हैं। आज के दिन गोवर्धन और गौवंश की पूजा कर हम संसार को प्रकृति, पर्यावरण और पशुधन संवर्धन का संदेश देते हैं। यह सनातन संस्कृति की देन है। यह वास्तव में प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण का उत्सव है। यह हमें स्मरण कराता है कि धरती पर जो भी है, उसके साथ सामंजस्य ही जीवन है। गोवर्धन पूजा 'जियो और जीने दो' के विचार और उपलब्ध खाद्य सामग्री एवं संसाधनों को समाज के साथ मिल-बांटकर साझा करने का प्रतीक है। हमारी संस्कृति और परम्पराओं को बचाए रखने की हम सबकी जिम्मेदारी है। राज्य सरकार द्वारा गोवर्धन पूजा का आयोजन इसी उद्देश्य से किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को रवीन्द्र भवन में आयोजित गोवर्धन पूजा के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

विश्व, प्राकृतिक खेती और जैविक खेती की महत्ता को पुनः कर रहा है स्वीकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गौमाता सनातन संस्कृति की आत्मा है। गौमाता के दुग्ध से हमारे शरीर को अमृत मिलता है। भगवान श्रीकृष्ण ने गोपालों की सेना बनाकर पशुधन की रक्षा के लिए बृजवासियों को प्रेरित किया। भगवान श्रीकृष्ण ने लोक संस्कृति एवं सामान्य जनजीवन को बनाए रखने के लिए बाल्यावस्था में अद्भुत लीलाओं से समाज को चमत्कृत कर प्रेरित किया। भगवान श्रीकृष्ण के गोपाल स्वरूप में यह संदेश निहित है कि जो गाय पाले वो गोपाल है। गाय के दूध, गोबर और गौ-मूत्र की महिमा अब वैज्ञानिक रूप से सिद्ध होने लगी है। कैंसर जैसी भयंकर बीमारी में भी गौ-उत्पाद प्रभावी हैं, यह भी सिद्ध हुआ है कि गोबर से लिपे घरों पर विकिरण का प्रभाव कम होता है। खेती में गोबर की खाद की महत्ता से सभी लोग परिचित ही हैं। इसी का परिणाम है कि विश्व, प्राकृतिक खेती और जैविक खेती की महत्ता को पुनः स्वीकार कर रहा है।

सनातन संस्कृति के प्रत्येक त्यौहार में निहित है कई संदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति और परम्पराओं में बेहतर जीवन के कई सूत्र समाहित हैं। योग और आयुर्वेद के सिद्धांत इसी के प्रमाण है। सनातन संस्कृति के प्रत्येक त्यौहार में कोई न कोई संदेश निहित है। राज्य सरकार ने ऐसे त्यौहारों को समाज के साथ मिलकर मनाने की पहल की है, जिन त्यौहारों में संस्कार और संदेश निहित हैं। प्रदेश में समाज के साथ परम्परानुसार मिल-जुलकर त्यौहार मनाने का यह दूसरा वर्ष है। गोवर्धन पूजा फसल कटने और नई फसल की शुरूआत का समय है। इस घड़ी को उत्साह और उल्लास के साथ मनाने से समाज में नई ऊर्जा का संचार होता है। गोवर्धन पर अन्नकूट का आयोजन भी इसी आनंद का भाग है।

गौवंश संरक्षण के लिए समाज भी आए आगे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने में पशुपालन की महत्वपूर्ण भूमिका है। पशुपालन से दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करने में मदद मिलेगी। वर्तमान में देश के दुग्ध उत्पादन का 9 प्रतिशत मध्यप्रदेश में होता है, इसे 20 प्रतिशत तक ले जाना हमारा लक्ष्य है। हम मध्यप्रदेश को देश का प्रमुख दुग्ध उत्पादक राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी उद्देश्य से प्रदेश में पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। गौवंश के बेहतर आहार के लिए गौशालाओं को मिलने वाली राशि 20 रूपए से बढ़ाकर 40 रूपए प्रति गौवंश किया गया है। गौशालाओं से दूध के साथ गौ-मूत्र और गोबर की उपलब्धता के लिए भी व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सरकार के साथ समाज को भी गोवंश संरक्षण में सहयोग देने के लिए प्रेरित किया। गौवंश संरक्षण सनातन संस्कृति की धारा का सशक्त करने में भी सहायक होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में जो भी व्यक्ति गौपालन करना चाहता है, गौशाला चलाना चाहता है या गौशाला संचालन में सहयोग करना चाहता है, उन सभी को सहयोग देने के लिए राज्य सरकार तत्पर है।

गोवर्धन पर्वत की मंत्रोच्यार के साथ की पूजा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गोवर्धन पूजा के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में रवीन्द्र भवन में वैदिक मंत्रोच्यारों के बीच गोवर्धन पूजा कर प्रकृति के प्रति मनुष्य के समर्पण को अभिव्यक्त किया। गोवर्धन पर्वत की उपस्थित अतिथियों द्वारा पूजा के बाद आरती भी की गई। इसके पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कार्यक्रम स्थल पर साफा पहनाकर स्वागत किया गया। परंपरागत वाद्य यंत्रों पर झूमते युवाओं ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अगवानी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गौवंश को दुलारा और पशु आहार खिलाया। अन्नकूट की परम्परा के अंतर्गत नया अन्न चढ़ाकर प्रसाद का थाल मुख्यमंत्री डॉ. यादव को भेंट किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को 56 भोग का थाल भेंट किया गया।

दुग्ध और जैविक पदाथों की लगी प्रदर्शनी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर दुग्ध और जैविक पदार्थों की प्रदर्शनी तथा विक्रय के लिए लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने स्टॉल संचालकों से चर्चा भी की। पशुपालन-कृषि और सहकारिता विभाग की योजनाओं की प्रदर्शनी तथा दुग्ध उत्पाद और जैविक पदार्थ आदि की प्रदर्शनी व विक्रय केंद्र की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गई थी।

उत्कृष्ठ कार्य करने वाले किये गये सम्मानित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गोवर्धन पूजा के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में गौवंश की सेवा संबंधी उत्कृष्ठ एवं उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित किया। उन्होंने गौकृपा पंचगव्य आयुर्वेद संस्थान के श्री हुकुमचंद पाटीदार, अखिल विश्व गायत्री परिवार के श्री सूरज परमार, बृजमोहन रामकली गौसंवर्धन केन्द्र के श्री प्रहलाद दास मंगल, महामृत्युंजय गौशाला के श्री बृजेश व्यास तथा केन्द्रीय जेल भोपाल में संचालित श्रीकृष्ण गौशाला का सम्मान भी किया। पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गौवंश संरक्षण और गौसेवा के लिए विभिन्न योजनाएं बनाकर प्रदेश में कार्य आरंभ किया है। सनातन संस्कृति की भावना के अनुरूप मुख्यमंत्री गौसेवा को सम्पूर्ण प्रदेश में व्यापक स्वरूप दे रहे हैं। सभी जिलों में गौशालाओं का विस्तार हो रहा है। उन्होंने गौ-संरक्षण के लिए व्यक्तिगत स्तर पर पहल करने की आवश्यकता बताई।

कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय,

Women WC

न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत दर्ज कर सेफा में जगह पक्की करने उतरेगा भारत

नवी मुंबई। भारतीय महिला टीम और न्यूजीलैंड महिला टीम कल डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के एक बेहद अहम मुकाबले में आमने-सामने होंगी, जिससे सेमीफाइनल में जगह पक्की हो सकती है। दोनों टीमों के चार-चार अंक बराबर हैं, लेकिन भारत का नेट रन रेट 0.526 है, जबकि न्यूजीलैंड का -0.245 है। किसी भी टीम की जीत पूल स्टैंडिंग में नाटकीय बदलाव ला सकती है। भारतीय महिला टीम इस मुकाबले में उतार-चढ़ाव भरे सफर पर उतर रही है। श्रीलंका और पाकिस्तान पर शानदार जीत के साथ शानदार शुरूआत करने के बाद, उन्हें तीन मैचों में मामूली हार का सामना करना पड़ा, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ एक दिल तोड़ने वाला मुकाबला भी शामिल है, जहां स्मृति मंधाना के 88 और हरमनप्रीत कौर के 70 रनों ने उन्हें लगभग जीत दिला दी थी।

गेंदबाजी स्टार दीप्ति शर्मा ने शानदार प्रदर्शन किया है, उन्होंने पांच पारियों में 19.69 की औसत से 13 विकेट लिए हैं और भारत को बीच के ओवरों में अहम सफलताएं दिलाई हैं। इस बीच, न्यूजीलैंड का प्रदर्शन लगातार अच्छा नहीं रहा है, उसने सिर्फ. एक जीत दर्ज की है, दो हारे हैं और दो मैच बेनतीजा रहे हैं, जो बारिश के कारण बाधित रहे हैं। कप्तान सोफी डिवाइन ने बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया है और 86.66 की औसत से 260 रन बनाए हैं, जिसमें एक शानदार शतक भी शामिल है, जबकि ली ताहुहु ने 12.33 की औसत से नौ विकेट लेकर गेंदबाजी की अगुवाई की है। अगर न्यूजीलैंड को घरेलू मैदान पर भारत को चुनौती देनी है, तो जेस केर की गेंद और मैदान दोनों में निरंतरता अहम होगी। हाल के इतिहास में, भारत ने अपने पिछले पांच मुकाबलों में न्यूजीलैंड पर 3-2 की बढ़त हासिल की है, जो इस अहम मैच से पहले एक छोटी मनोवैज्ञानिक बढ़त है। पिच से शुरूआत में बल्लेबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है, और बाद में स्पिनरों के खेलने की संभावना है। दोपहर में बारिश हो सकती है, जिससे अनिश्चितता का माहौल बन सकता है जो खेल को नाटकीय रूप से प्रभावित कर सकता है। टॉस निर्णायक होने की संभावना है, क्योंकि टीमें इन परिस्थितियों में पहले गेंदबाजी करना पसंद करती हैं। भारत के लिए जीत न केवल वांछनीय है, बल्कि अनिवार्य भी है। सेमीफाइनल की उम्मीदें अधर में लटकी हैं, और उनकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी इकाइयों का शानदार प्रदर्शन अंतिम चार में जगह पक्की कर सकता है।

न्यूजीलैंड चुनौती पेश करने और सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाए रखने के लिए डिवाइन, केर और ताहुहु पर निर्भर करेगा। एक बड़ी साझेदारी या खेल बदलने वाले स्पेल के साथ एक कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। घरेलू परिस्थितियों, बेहतर नेट रन रेट और संतुलित लाइनअप के कारण भारत न्यूजीलैंड की महिलाओं पर थोड़ी बढ़त बनाए हुए है।

टीमें: संभावित भारतीय एकादशः प्रतीका रावल, स्मृति मंधाना, हरलीन देओल, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेट कीपर), अमनजोत कौर, स्नेह राणा, श्री चरणी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह।

संभावित न्यूजीलैंड प्लेइंग इलेवनः सूजी बेट्स, जॉर्जिया प्लिमर, अमेलिया केर, सोफी डिवाइन (कप्तान), ब्रुक हॉलिडे, मैडी ग्रीन, इसाबेला गेज (विकेट कीपर), जेस केर, रोजमेरी मैयर, ली ताहुहू, ईडन कार्सन

पहले वनडे की हार भुलाकर बराबरी के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

एडिलेड। भारत के लिए कमर कसने का समय आ गया है। यह एडिलेड है, यह ऑस्ट्रेलिया है, और यह मेहमान टीम है जो पर्थ में मिली हार के बाद मुश्किल में है। सात विकेट गिरे, स्कोर पर मुश्किल से 136 रन, और पारी 30 ओवर से भी कम समय में समाप्त हो गई। बहुत कम टीमें इस तरह क्रिकेट जीत पाती हैं। अब, चुनौती इस निराशा को भुलाकर कल एडिलेड ओवल में होने वाले दूसरे वनडे में मजबूत वापसी करने की है। पहले मैच में शानदार जीत के बाद, सीरीज का पलड़ा ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में है, लेकिन यह पूरी तरह से ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में है। कप्तान मिचेल मार्श ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया, जबकि जोश हेजलवुड और मिशेल स्टार्क की तेज गेंदबाज जोड़ी ने शुरूआत में ही ऐसी बढ़त बना ली जिससे भारत कभी उबर नहीं पाया। मेहमानों के लिए, समीकरण सरल हैः शीर्ष क्रम झ रोहित शर्मा, विराट कोहली और शुभमन गिल झ को सीरीज को ज़िंदा रखने के लिए अच्छा प्रदर्शन करना होगा। उनका सामूहिक रूप भारत के लिए इस सतह पर वापसी की कुंजी है, जहां से दूधिया रोशनी में बल्लेबाजी के लिए अनुकूल परिस्थितियों में आने से पहले शुरूआती मूवमेंट मिलने की उम्मीद है। रोहित के साथ स्टार्क की नई गेंद की जंग शुरूआती आकर्षण का केंद्र होगी, क्योंकि बाएं हाथ का यह तेज गेंदबाज एडिलेड की स्विंग के अनुकूल हवा का फायदा उठाने की कोशिश करेगा। लंबे ब्रेक के बाद कोहली की सफेद गेंद वाले क्रिकेट में वापसी से रोमांच और बढ़ गया है, जबकि गिल का संयम पारी को स्थिर करने में अहम भूमिका निभाएगा। एडिलेड ओवल में अपने पिछले सात वनडे मैचों में से पांच में जीत हासिल करने वाली ऑस्ट्रेलिया के बिना किसी बदलाव के मैदान पर उतरने की उम्मीद है। उनका संतुलन, गहराई और घरेलू फायदा उन्हें स्पष्ट बढ़त प्रदान करता है। हालांकि, भारत विविधता लाने के लिए स्पिनर कुलदीप यादव को उतार सकता है, जबकि मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह नई गेंद की जोड़ी के रूप में बने रहेंगे। एडिलेड में पिछले पांच वनडे मैचों में से चार में लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने जीत हासिल की है, इसलिए टॉस निर्णायक साबित हो सकता है। क्रिकेट के लिए परिस्थितियां आदर्श बनी हुई हैं झ आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, तापमान लगभग 15 डिग्री सेल्सियस रहेगा और बारिश का कोई पूवार्नुमान नहीं है। ऑस्ट्रेलिया को पसंदीदा माना जा रहा है। फिर भी, भारत के शीर्ष क्रम की मजबूत शुरूआत दूधिया रोशनी में होने वाले इस बेहद रोमांचक मुकाबले में गति बदल सकती है।

दोनों टीमें इस प्रकार हैंः

भारत (संभावित एकादश): रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेट कीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर/कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह।

ऑस्ट्रेलिया (संभावित एकादश): ट्रैविस हेड, मिचेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश फिलिप (विकेट कीपर), मैट रेनशॉ, कूपर कोनोली, मिशेल ओवेन, मिशेल स्टार्क, नाथन एलिस, मैथ्यू कुहनेमैन, जोश हेजलवुड।

पंत की चोट से उबरकर मैदान में वापसी, दक्षिण अफ्रीका-ए के खिलाफ करेंगे भारत-ए की कप्तानी

नई दिल्ली। इंडिया-ए टीम को साउथ अफ्रीका-ए के खिलाफ दो चार दिवसीय मैच खेलने हैं। इस सीरीज के लिए इंडिया-ए टीम का ऐलान कर दिया गया है। टीम का कप्तान ऋषभ पंत को बनाया गया है। वहीं साई सुदर्शन टीम के उपकप्तान बने हैं। दोनों मैचों के लिए अलग-अलग टीम चुनी गई है, लेकिन कप्तान और उप-कप्तान क्रमशः ऋषभ पंत और साई सुदर्शन बनाए गए हैं। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत इंजरी से उबरकर लौटे हैं। ऋषभ को इंग्लैंड दौरे पर मैनचेस्टर टेस्ट मैच के दौरान दाएं पैर के अंगूठे में चोट लग गई थी। पंत ने तब क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश की, लेकिन पूरी तरह चूक गए और चोट लग गई। चोट इतनी गंभीर थी कि वह आगे विकेटकीपिंग नहीं कर सके और ओवल टेस्ट से बाहर होना पड़ा था। इंडिया-ए और साउथ अफ्रीका-ए के खिलाफ पहला चार दिवसीय मैच 30 अक्तूबर से खेला जाएगा। फिर दोनों टीम्स के बीच दूसरा चार दिवसीय मुकाबला छह नवंबर से होगा। ये दोनों मुकाबले भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) के बंगलुरू सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड में होने हैं। ये मुकाबले साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिहाज से अहम हैं। साउथ अफ्रीका की टीम 14 नवंबर से भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। फिर तीन वनडे और पांच टी-20 मुकाबले भी खेले जाएंगे।

भारत को जल्द सौंपें एशिया कप ट्रॉफी, BCCI ने नकवी को भेजा ई-मेल

नहीं माने, तो ICC में करेंगे शिकायत

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने एशिया कप ट्रॉफी जल्द से जल्द भारत को सौंपने के लिए एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के चीफ मोहसिन नकवी को ईमेल किया है। अगर नकवी आनाकानी करते हैं, तो फिर मामले को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) में उठाया जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने यह जानकारी दी। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन भी हैं। सैकिया ने कहा कि हम नकवी के जवाब का इंतजार कर रहे हैं। अगर वह जवाब नहीं देते या कोई निगेटिव जवाब देते हैं, तो आईसीसी में शिकायत की जाएगी।

बता दें भारतीय टीम ने 28 सितंबर को एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। जीत के बाद

टीम ने नकवी के हाथों एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। भारत ने यह स्टैंड पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में लिया था। इसके बाद मोहसिन नकवी ट्रॉफी लेकर दुबई के होटल चले आए थे। फिर पाकिस्तान जाने से पहले उन्होंने ये ट्रॉफी दुबई स्थित एसीसी ऑफिस में छोड़ दी थी। बाद में नकवी ने कहा था कि उनकी मर्जी के बिना कोई भी ट्रॉफी को हाथ नहीं लगा सकता। अगर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव चाहें, तो एसीसी दफ्तर आकर ट्रॉफी ले जा सकते हैं।

बीसीसीआई पर खेल में राजनीति लाने का आरोप : नकवी ने कहा कि आपके 30 सितंबर, 2025 के पत्र की प्राप्ति की पुष्टि की जाती है। नकवी ने कहा कि सबसे पहले, मैं भारतीय क्रिकेट टीम को एशिया कप 2025 जीतने के लिए बधाई देता हूं, जैसा कि मैंने पहले एजीएम में भी किया था। नकवी ने एशिया कप 2025 में अवॉर्ड फेलिसिटेशन सेरेमनी विवाद पर बीसीसीआई के पत्र का जवाब देते हुए बीसीसीआई पर खेल में राजनीति लाने का आरोप लगाया और कहा कि एसीसी प्रशासनिक कार्यों के संबंध में तटस्थ रहा है और रहेगा। बतौर एसीसी प्रमुख मैंने अन्य विशिष्ट अतिथियों के साथ लगभग 40 मिनट तक इंतजार किया, ताकि पुरस्कार समारोह की गरिमा बनी रहे और यह राजनीति से प्रतिकूल रूप से प्रभावित न हो, लेकिन यह व्यर्थ रहा। एसीसी ट्रॉफी निस्संदेह भारतीय क्रिकेट टीम की है और इसे तब तक संरक्षित रखा जाएगा, जब तक कि बीसीसीआई का कोई अधिकारी और उपलब्ध खिलाड़ी इसे मेरे हाथों से लेने के लिए दुबई एसीसी हेडक्वार्टर नहीं आते।

बिलासपुर में होगी खो-खो प्रतियोगिता, गूगल मीट में जूनियर वर्ग की राज्य स्तरीय स्पर्धा के आयोजन को मंथन

मंडी। हिमाचल प्रदेश खो-खो के जूनियर वर्ग की राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता आठ व नौ नवंबर को बिलासपुर जिला में होगी। यह निर्णय सर्वसम्मति से हिमाचल प्रदेश खो-खो संघ के प्रदेशाध्यक्ष अभिषेक ठाकुर की अध्यक्षता में गूगल मीट के माध्यम से आयोजित बैठक में लिया गया। इसके अलावा सब-जूनियर वर्ग की राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता 29 व 30 नवंबर को ऊना जिला में खेली जाएगी। वहीं खो-खो सीनियर वर्ग की राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता 13 व 14 दिसंबर को मंडी जिला में करवाने का निर्णय लिया गया। बैठक में राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता को बेहतर ढंग से करवाने को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सभी जिला कार्यकारिणी को जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता पांच नवंबर से पहले करवाने के निर्देश भी दिए गए, ताकि राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता तय समय में करवाई जा सके। बैठक में प्रदेशाध्यक्ष अभिषेक ठाकुर, भारतीय खो-खो महासंघ के संयुक्त सचिव एवं प्रदेश खो-खो संघ के महासचिव एलआर वर्मा, सीईओ देवी दत्त तनवर, प्रेम सिंह ठाकुर, पवन ठाकुर, प्रवीण दुबे, तपेंद्र शर्मा, डा. संजय कुमार, लक्ष्मी दत्त, मेहर चंद, मनीष शर्मा, चुनी लाल, हंसराज शर्मा, हिमांशु व कमलेश गुप्ता सहित प्रदेश कार्यकारी व सभी जिला के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सोने की कीमत बढ़ने के साथ खूब गोल्ड लोन ले रहे लोग

नई दिल्ली। एक तरफ सोने की कीमतों के आसमान छूने के कारण यह आम लोगों की पहुंच से दूर होता जा रहा है तो वहीं दूसरी तरफ लोग जमकर अपने जेवरात बैंकों के पास बंधक रखकर जमकर गोल्ड लोन भी ले रहे हैं। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 23 अगस्त 2024 को बैंकों द्वारा दिया गया गोल्ड लोन 1,40,391 करोड़ रुपए था जो 22 अगस्त 2025 को 3,05,814 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इस प्रकार इसमें 117.8 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। चालू वित्त वर्ष की बात करें तो बैंकों द्वारा दिए गए गोल्ड लोन में 46.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह 31 मार्च 2025 को 2,08,735 करोड़ रुपए था। उल्लेखनीय है कि अगस्त 2024 में मुंबई में 24 कैरेट सोने की औसत कीमत 70,441 रुपए प्रति 10 ग्राम थी जो अगस्त 2025 में 99,696 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गई थी।

हालांकि अब सोना 1,30,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास है।

उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ समय से सोने की बढ़ती कीमतों को देखते हुए बैंक गोल्ड लोन आसानी से दे रहे हैं। साथ ही लोग भी अपनी जरूरतों के लिए जमकर गोल्ड लोन ले रहे हैं। सोने की कीमतों में जारी जबरदस्त तेजी के लिए भू-राजनैतिक तनाव और अनिश्चितता को सबसे बड़ा कारक माना जा रहा है। निवेशकों के अलावा दुनिया भर के केंद्रीय बैंक अपने स्वर्ण भंडार को मजबूत कर रहे हैं। विश्व स्वर्ण परिषद के आंकड़ों के अनुसार, केंद्रीय बैंकों ने अप्रैल-जून तिमाही में 166 टन सोना खरीदा था जबकि इसकी वैश्विक मांग 1,249 टन रही थी। रिजर्व बैंक का स्वर्ण भंडार भी 10 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में पहली बार 100 अरब डॉलर को पार कर गया। यह 3.60 अरब डॉलर की वृद्धि के साथ 102.37 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

मखाने का बंपर धमाल, रकबा और पैदावार हुई दोगुनी

नई दिल्ली। भारत में मखाने का उत्पादन 2020 से 2025 के बीच दोगुनी होकर लगभग 63,000 टन तक पहुंच गई है। मखाने की खेती का रकबा 40 से 50 प्रतिशत तक बढ़ा और पैदावार भी दोगुनी हो गई है। मखाना कारोबार को बढ़ाने के सरकार के प्रयास के बीच इसके निर्यात में भी जोरदार उछाल दर्ज किया गया है। भारत विश्व का सबसे बड़ा मखाना उत्पादक देश है। एपीडा के अनुसार देश से मखाने का निर्यात तेजी से बढ़ने के मद्देनजर 2020 में मखाना निर्यात 6,700 टन हुआ था जबकि 2024 में यह बढ़कर 25,130 टन तक पहुंच गया है। दुनिया के देशों में इसके प्रमुख खरीदार अमेरिका, कनाडा, यूएई, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया हैं। हाल में अमेरिका के लगाए गए अधिक आयात शुल्कों के बावजूद यूरोप, दक्षिण एशिया और अफ्रीका में इसके नए बाजार और नए अवसर बन रहे हैं। विदेशों के अलावा मखाने का घरेलू बाजार भी खासा मजबूत है। वित्त वर्ष 2021-22 से 2024-25 तक मखाना उद्योग 17 से 18 प्रतिशत सालाना दर से बढ़ा और इसका कारोबार 8,000झ8,500 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। बढ़ती सेहत-जागरूकता और प्रीमियम स्नैकिंग की मांग से मखाना एक महंगे ह्यसुपरफूडह्ण के रूप में उभर रहा है।

भारत की मखाना खेती का केंद्र बिहार है। इसकी हिस्सेदारी देश के कुल उत्पादन में लगभग 90 प्रतिशत और विश्व आपूर्ति में 80-85 प्रतिशत तक है। साल 2020 से 2025 के बीच मखाना की खेती का रकबा 25,000 हेक्टेयर से बढ़कर 40,000 हेक्टेयर पर पहुंच गया और उत्पादन का कांटा 63,000 टन पर आ गया। पारंपरिक तालाब-आधारित खेती के साथ-साथ खेत-आधारित और मछली-संयुक्त प्रणालियां किसानों को अधिक उत्पादन और मुनाफा दे रही हैं। मखाना अब केवल बिहार की पारंपरिक फसल नहीं, बल्कि भारत की वैश्विक ह्यब्रांड पहचानह्ण बन चुका है। आधुनिक किस्में जैसे ह्यस्वर्ण वैदेहीह्ण और ह्यसबौर मखाना-1ह्ण ने इसकी उत्पादकता में सुधार किया है, जबकि ह्यमिथिला मखानाह्ण के जीआई टैग ने इसे अंतरराष्ट्रीय पहचान दी है। मखाना साल भर चलने वाली जल-निर्भर फसल है। पौधों की रोपाई मार्च में की जाती है और अगस्त से अक्टूबर के बीच फसल की कटाई की जाती है। जून-जुलाई में फल पानी के भीतर पकते हैं। अगस्त में बीजों को तालाब के तल से निकाला जाता है। यह बहुत कठिन काम है, जिसे पूरी तरह हाथों से किया जाता है। यही कारण है कि खेती का यह तरीका बहुत मेहनत की मांग करता है इसलिए इसमें मशीनों के इस्तेमाल एवं तकनीकी सुधार की बड़ी संभावनाएं हैं। बिहार सरकार ने वर्ष 2025-26 के बजट में ह्लमखाना बोर्डह्व की स्थापना की घोषणा की है, जिसका बजट एक अरब रुपये रखा गया है। यह बोर्ड किसानों को बेहतर बीज, आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण, बाजार सहायता और स्थानीय प्रसंस्करण इकाइयां उपलब्ध कराने पर काम करेगा। इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी और बिचौलियों पर निर्भरता घटेगी। साथ ही, यह बोर्ड मखाना को देश-विदेश में एक प्रीमियम ब्रांड के रूप में प्रचारित करने पर भी ध्यान केंद्रित रहेगा। निर्यात बाजार के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को कुल निर्यात का 77 प्रतिशत हिस्सा निर्यात होता हैं लेकिन अपेक्षाकृत कम कीमत 13झ19 डॉलर प्रति किलोग्राम देते हैं। वहीं, जर्मनी, नेपाल और ऑस्ट्रेलिया जैसे छोटे बाजार अधिक दाम 21झ26 डॉलर प्रति किलोग्राम पर मखाना खरीदते हैं। यह संकेत देता है कि भारत को अपने निर्यात बाजार को विविध बनाते हुए उच्च-मूल्य वाले क्षेत्रों पर ध्यान देना चाहिए। हाल के महीनों में निर्यात मूल्य अगस्त में 15.5 डॉलर प्रति किलोग्राम तक गिरा था, पर सितंबर में त्योहारों और नए बाजारों के कारण सुधार देखने को मिला। घरेलू बाजार में भी मखाना उद्योग मजबूती से बढ़ रहा है। वर्ष 2021-22 से 2024-25 के बीच इसमें 17-18 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर्ज हुई है और 2029-30 तक इसका कारोबार 11,000झ12,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है। घरेलू कीमतें 2020 के 500 रुपए प्रति किलो से बढ़कर 2025 में 1,250 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गईं हैं। उच्च ग्रेड मखाना 1,200झ1,300 रुपए प्रति किलो के प्रीमियम पर बिक रहा है। सेहत-जागरूक उपभोक्ताओं और स्नैकिंग इंडस्ट्री की बढ़ती मांग ने मखाना को घरेलू स्तर पर भी एक स्थायी और लाभकारी फसल के रूप में स्थापित कर दिया है।

डॉग स्क्वायड जांच से हुआ खुलासा, एक आरोपी फरार

मंडला में तेंदुए के शिकार मामले में तीन लोग गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला में मादा तेंदुए के शिकार के मामले में वन विभाग ने चार लोगों को आरोपी बनाया है। इनमें से तीन को गिरफ्तार कर मंगलवार को कोर्ट में पेश किया गया, जबकि एक आरोपी फरार है। यह घटना पश्चिम सामान्य वन मंडल क्षेत्र के बम्हनी परिक्षेत्र के राता वृत्त में सामने आई थी।

चौथा आरोपी अब भी फरार

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धरम सिंह उइके, मैन सिंह पंद्रे और कुंजी लाल यादव के रूप में हुई है। सभी आरोपी झांगुल गांव के निवासी हैं। मंतू वयाम नामक चौथा आरोपी अभी भी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

सबूत मिटाने के जमीन में दबाया शव

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपियों का उद्देश्य मांस के लिए किसी अन्य जानवर का शिकार करना था, लेकिन उनके लगाए गए फंदे में तेंदुआ फंस गया। इसके बाद सबूत मिटाने के लिए शव को जमीन में दबा दिया गया। धरम सिंह के घर से चीतल का सींग भी बरामद किया गया है।

झाड़ियों के बीच दिखा तेंदुए का शव

दरअसल, 18 अक्टूबर को गश्ती दल को बीट झांगुल, कक्ष क्रमांक आर.एफ. 792 से लगे राजस्व क्षेत्र में लैंटाना झाड़ियों के बीच तेंदुए का शव दिखाई दिया। शव जमीन में दबा हुआ था और केवल उसका पिछला पैर और पूंछ बाहर दिख रही थी। घटनास्थल से बिजली के खंभे के नीचे करंट से जली मिट्टी, जी.आई. तार, हुक और पूजा सामग्री भी मिली। वन विभाग की टीम ने मौके पर जप्तीनामा, मौका पंचनामा, जीपीएस रीडिंग और फोटोग्राफ्स तैयार किए। 19 अक्टूबर को शव को बाहर निकालकर सीलबंद किया गया और वन्यजीव फोरेंसिक जांच के लिए जबलपुर भेजा गया।

डॉग स्क्वायड की जांच से मामले का हुआ खुलासा

वन विभाग के एसडीओ श्रीराम सूत्रकार ने बताया कि डॉग स्क्वायड की जांच में धरम सिंह संदिग्ध पाया गया। पूछताछ में उसने तेंदुए के शव को घसीटकर गड्ढे में दबाने की बात स्वीकार की। उसने यह भी बताया कि उसने मैन सिंह पंद्रे, कुंजी लाल यादव और मंतू वयाम को घटना स्थल के पास संदिग्ध गतिविधि करते देखा था।

केबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके हुई शामिल

दयोदय पशुसेवा सदन गौशाला में गोवर्धन पूजा आयोजित

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला विकासखंड के ग्राम आमानाला की दयोदय पशुसेवा सदन गौशाला में श्री गोवर्धन पूजा का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, नगरपालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत श्री शाश्वत सिंह मीना, एसीईओ श्री विनोद मरावी, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अनीता तिवारी, सुश्री शशी पटेल, मंजू कछवाहा, उपसंचालक पशुपालन श्री उग्रसेन तिवारी सहित संबंधित शामिल हुए। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती उइके ने गौपूजन कर गौमाता को भोजन कराया तथा गोवर्धन पूजा की। उन्होंने कहा कि पंचदिवसीय दीपावली पर्व में चौथे दिन श्री गोर्वधन की पूजा की परंपरा रही है। सनातन काल से हमारे ऋषि-मुनि गौवंश की सेवा करते आए हैं। यह न सिर्फ गौसंवर्धन का प्रयास है बल्कि यह प्रकृति के संरक्षण से भी जुड़ा हुआ है। मध्यप्रदेश की सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रयास कर रही है। प्राकृतिक खेती में गौवंश का अत्यधिक महत्व है। पहले के समय में गोबर की खाद उर्वरक के रूप में उपयोग की जाती थी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश को दुग्ध उत्पादन में देश में अग्रणी बनाना चाहते हैं। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी किसान भाई अपने घरों में गौवंश का पालन अवश्य करें एवं प्राकृतिक खेती की इस मुहिम को मजबूत करें। कार्यक्रम को नगरपालिका अध्यक्ष श्री कछवाहा ने भी संबोधित किया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में स्थानीय अहीर नृतक दल के लोक कलाकारों ने परंपरागत अहीर नृत्य प्रस्तुत किया। इस दौरान प्रगतिशील पशुपालकों श्री दीपक साहू, श्रीमती प्रियंका मरावी, श्री नरेश कछवाहा, श्री हीरालाल रैदास, श्री रानू कछवाहा को शाल तथा श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।

राज्य स्तरीय गोवर्धन पूजा कार्यक्रम में शामिल हुई केबिनेट मंत्री

प्रकृति और गौ-वंश के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने का पर्व है गोवर्धन पूजा: संपतिया उईके

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। राज्य स्तरीय गोवर्धन पूजा कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखण्ड नैनपुर के ग्राम पौंड़ी में श्री गोवर्धन पूजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उईके शामिल हुई। उन्होंने इस अवसर पर विधिवत पूजन कर समस्तजनों के सुख, समृद्धि और कल्याण के लिए कामना की। गौमाता की आराधना कर उन्हें गुड़ और हरी घास अर्पित की। मंत्री श्रीमती उईके ने कहा कि गोवर्धन पूजा का यह पर्व हमें प्रकृति और गौ-वंश के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने का पर्व है। यह हमें प्रकृति से जुड़ाव के साथ-साथ गौ संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति अपने कर्तव्यों का स्मरण कराता है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण जी एवं श्री गोवर्धन महाराज की कृपा और गौमाता के आशीर्वाद से सभी के जीवन में सुख, शांति और शुभता बनी रहे, यही मंगलकामना करती हूँ। इस अवसर पर श्री प्रफुल्ल मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत श्री शाश्वत सिंह मीना, उपसंचालक पशुपालन श्री उग्रसेन तिवारी, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जिले में श्रद्धा और गौरव के साथ मनाया गया पुलिस शहीद स्मृति दिवस

शहीद पुलिस जवानों के बलिदान को नमन

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मारक में मंगलवार को ह्लपुलिस शहीद स्मृति दिवसह्न श्रद्धा, सम्मान और गौरव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक मंडला रजत सकलेचा ने शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में *शहीद पुलिसकर्मियों के नामों का वाचन किया गया, सूबेदार विवेक के नेतृत्व में जिला पुलिस बल,होमगार्ड बल एवं विशेष सशस्त्र बल की टुकड़ियों द्वारा परेड कर शहीदों को सलामी दी गई, उपरांत पुष्प श्रद्धांजलि दी गई। वही इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंडला, एसडीओपी मंडला निवास, नैनपूर,बिछिया, रक्षित निरीक्षक मंडला, थाना प्रभारी कोतवाली, शहीदों के परिजन , भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, विधायक बिछिया नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कचवाहा सहित अनेक पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

शराब के नशे में युवक बाइक सहित पुल से गिरा

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला के टिकरिया थाना क्षेत्र के मंडला-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-30) पर टिकरिया थाने के आगे स्थित पुलिया के पास एक युवक बाइक सहित पुल से नीचे गिर गया। इस हादसे में युवक घायल हो गया। घटना बुधवार दोपहर 3 बजे की है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, युवक शराब के नशे में तेज रफ्तार से बाइक चला रहा था। इसी दौरान उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई और वह पुल से नीचे जा गिरा। घायल युवक की पहचान नारायणगंज निवासी राहुल श्रीवास के रूप में हुई है। राहगीरों ने तत्काल घटना की सूचना टिकरिया पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी और पुलिस स्टाफ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायल राहुल को तुरंत नारायणगंज स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस ने बाइक जब्त कर ली है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

जिला दंडाधिकारी के आदेश के बाद ग्रामीण बैंक ने की बड़ी कार्यवाही

सरफेसी एक्ट के तहत डिफाल्टर का मकान बैंक ने किया कुर्क

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। न्यायालय जिलादंडाधिकारी मंडला के आदेश के अनुपालन में मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा बिंझिया ने भवन ऋण डिफाल्टर गोपी लाल कछवाहा निवासी कोरगांव (पंचायत हल्का क्रमांक 31/61 पुरवा, जिला मंडला) के मकान पर सरफेसी एक्ट 2002 के तहत बड़ी कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार, बैंक द्वारा पूर्व में कई बार नोटिस जारी किए जाने के बावजूद ऋण की अदायगी नहीं की गई, जिसके बाद न्यायालय के आदेश पर ऋणी की संपत्ति का भौतिक कब्जा बैंक को सौंप दिया गया। यह संपत्ति खसरा नंबर 486/1/2, रकबा 0.0100 हेक्टेयर, प्लॉट क्षेत्रफल लगभग 1090 वर्गफीट में निर्मित आवासीय भवन है। मौके पर प्रशासनिक एवं बैंक अधिकारियों की मौजूदगी में पंचनामा तैयार कर कार्रवाई पूर्ण की गई। मकान पर बैंक की ओर से नोटिस बोर्ड लगाया गया, जिसमें स्पष्ट उल्लेख किया गया कि अब इस संपत्ति का एकमात्र स्वामी बैंक है। साथ ही चेतावनी दी गई कि कोई भी व्यक्ति इस संपत्ति की खरीद, बिक्री या हस्तांतरण करता है, तो उसकी जिम्मेदारी पूर्णतः स्वयं की होगी। इस कार्रवाई के दौरान मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक सुरेश प्रसाद सिंह परस्ते, उप क्षेत्रीय प्रबंधक जितेन्द्र ठाकुर, शाखा प्रबंधक श्रीमती रितु राय, तहसीलदार हिमांशु भलावी, पटवारी, कोटवार, पुलिस बल एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस बल तैनात किया गया और पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं कानूनी तरीके से संपन्न हुई। बैंक अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई बकायेदारों को सख्त संदेश देने और ऋण वसूली को मजबूत बनाने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने कहा कि समय पर ऋण की अदायगी न करने वालों पर बैंक भविष्य में भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रखेगा। बैंक अधिकारियों के अनुसार, यह मामला लंबे समय से लंबित था और बैंक द्वारा कई बार समझाइश देने के बाद भी भुगतान नहीं किया गया, जिसके चलते सरफेसी एक्ट के तहत यह निर्णायक कदम उठाया गया। मंडला जिले में इस प्रकार की यह बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है, जिससे अन्य ऋण बकायेदारों में भी सतर्कता का माहौल देखा जा रहा है।

दीपावली के पावन पर्व पर

विहिप-बजरंग दल के तत्वाधान में नगर के सभी केंद्रस्थल के मंदिरों में दीप प्रचलित किया गया

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले के भुआ बिछिया में दीपावली पर्व के शुभ अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद (बजरंग दल) नगर बिछिया के तत्वाधान में नगर के सभी केंद्रस्थल के मंदिरों में दीपोत्सव मनाया गया। उक्त संपूर्ण कार्यक्रम में वरिष्ठ मार्गदर्शक विश्राम सिंह मार्को (रिटायर्ड एएसआई), नगर अध्यक्ष (विहिप) सचिन तेकाम प्रखंड मंत्री राजू भाषंत जी, जिला धर्मप्रसार प्रमुख विवेक कुमार पाण्डेय मातृशक्ति जिला संयोजिका बबीता दीदी, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रजनी दीदी तथा मंदिरों के प्रमुख पुजारी, नगर के वरिष्ठजन, मातृशक्ति समूह एवं सभी सनातनी बंधुओं द्वारा प्रत्येक मंदिर में मंत्रोच्चार से दीप प्रज्ज्वलित एवं प्रसाद अर्पण कर दीपावली पर्व मनाया गया एवं समाज में शांति, सौहाद्र तथा धर्म स्थापना हेतु प्रार्थना की गई। सर्वप्रथम श्री हनुमानलला आश्रम में दीपोत्सव संपन्न हुआ, उसके पश्चात बंजारी धाम, भुआ खेरमाई, श्रीराममंदिर, विनोद रंगमंच, थाना परिसर में हनुमान जी दरबार, राजराजेश्वरी रेंज मंदिर, बिछिया खेरमाई, तालाबटोला शिव मंदिर, जंतीपुर हनुमान मंदिर, इस प्रकार सभी मंदिरों में विश्व हिन्दू परिषद (बजरंग दल) नगर बिछिया द्वारा दीपोत्सव कार्यक्रम संपन्न किया गया, जिसमें नगर के सभी सनातनी हिन्दू एवं मातृशक्तियां उपस्थित रहीं।

नैनपुर में दो कार टकराई, तीन लोग घायल

मंडला। मंडला जिले के नैनपुर थाना क्षेत्र में बुधवार शाम को बालाघाट मार्ग पर अतरिया के पास दो कारों की जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में एक महिला सहित तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें नैनपुर के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। नैनपुर थाना प्रभारी बलदेव सिंह मुजाल्दा ने बताया कि यह दुर्घटना बालाघाट की ओर जा रही एक इनोवा कार और सामने से आ रही मारुति कार के बीच हुई। आमने-सामने की टक्कर में इनोवा कार में सवार एक महिला सहित तीन लोग घायल हुए हैं। ग्रामीणों ने मौके पर तुरंत राहत कार्य शुरू किया और घायलों को बाहर निकाला। इनोवा कार का चालक नैनपुर निवासी हिमांशु विश्वकर्मा बताया जा रहा है। मारुति कार में सवार लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राजसात वाहनों की नीलामी

जिला आबकारी कार्यालय मण्डला में मदिरा के अवैध परिवहन में जप्तशुदा, राजसात वाहनों की नीलामी के लिये निविदायें आमंत्रित की गयी है, प्राप्त निविदाओं को गठित जिला समिति द्वारा दिनांक 29.10.2025 को खोले जाने की कार्यवाही की जायेगी।

नीलामी हेतु वाहनों का प्रकार, स्थल, ऑफसेट प्राईज एवं धरोहर राशि निम्नानुसार है:-

क्र.	वाहन का प्रकार	वाहन क्रमांक	मॉडल वर्ष	वाहन अवलोकन स्थान	ऑफसेट प्राईज (रूपये)	धरोहर राशि (ऑफसेट प्राईज की 50 प्रतिशत)
1	मारूति स्विफ्ट कार	MP51CE1142	2006	थाना कोतवाली मण्डला	55000/-	27500/-
2	मारूति ओमनी वेन	MP51BB0449	2016	थाना बम्हनीबंजर	65000/-	32500/-
3	टाटा 1109 ट्रक	MP22G3235	2014	थाना नैनपुर	150000/-	75000/-
4	प्लेटिना मोटरसायकिल	CG09JL1780	2021	थाना बिछिया	35000/-	17500/-
5	रेनाल्ट ट्राईबर कार	MP54CA1096	2020	थाना कोतवाली मण्डला	260000/-	130000/-
6	हुंडई सेन्ट्रो कार	MP20CA9599	2003	आबकारी नियंत्रण कक्ष मण्डला	60000/-	30000/-
7	महिन्द्रा स्कॉर्पियो कार	MP20CA7031	2008	मद्यभाण्डागार मण्डला	70000/-	35000/-

इच्छुक व्यक्ति निविदा की शर्तें एवं वाहनों से संबंधित अन्य किसी भी प्रकार की जानकारी जिला आबकारी कार्यालय मण्डला से अवकाश के दिनों को छोड़कर, कार्यालयीन समय में प्राप्त कर सकेंगे।

सही/-
जिला आबकारी अधिकारी
जिला मण्डला

स्वामी,प्रकाशक, मुद्रक, मुकेश श्रीवास द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे MR-4 रोड उखरी जबलपुर से मुद्रित एवं सिविल लाईन जवाहर वार्ड मंडला से प्रकाशित। प्रधान संपादक-मुकेश श्रीवास, सिविल लाईन, जवाहर वार्ड मंडला । मो. 9406771592, संपादक - प्रहलाद उइके
RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877 (समाचार पत्र के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार मंडला) Email:- revanchaltimes@gmail.com web-revanchaltimes.in